सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

शरीफा का पर्यायवाची पेज: 7

इस क्रिकेटर यशस्वी जायसवाल को डेट कर रही हैं मृणाल पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 122 | बुधवार 05 अगस्त 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

नीतीश कुमार ने दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से की मुलाकात

नई दिल्ली एजेंसी: चार अगस्त जनता दल-यूनाइटेड (जदयू) प्रमुख और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पटना की बांकीपुर विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की हार के एक दिन बाद मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिले। प्रधानमंत्री के साथ नीतीश की मुलाकात के दौरान जदयू नेता एवं केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह और पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य संजय कुमार झा भी मौजूद थे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, राज्यसभा सदस्य नीतीश कुमार जी ने आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। नीतीश ने कहा कि उन्होंने यहां संसद भवन परिसर में प्रधानमंत्री के कार्यालय में उनसे शिष्टाचार भेंट की। भाजपा का गढ़ माने जाने वाले बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव इसलिए कराना पड़ा, क्योंकि नितिन नवीन के पार्टी अध्यक्ष का पद संभालने और फिर राज्यसभा सदस्य चुने जाने के बाद यह सीट खाली हो गई थी।

अपराध कर विदेश भागने वालों पर बड़ा प्रहार, 36 देशों में ऑपरेशन त्रिशूल चलाकर 274 भगोड़ों को भारत लाकर मोदी सरकार ने रचा इतिहास

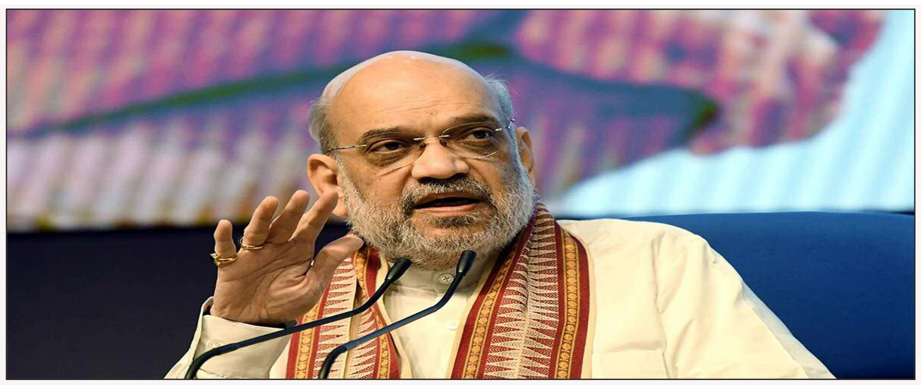

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृढ़ नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सशक्त मार्गदर्शन में भारत ने भगोड़े अपराधियों के खिलाफ निर्णायक लड़ाई छेड़ दी है। वर्ष 2019 से 2026 के बीच दुनिया के 36 देशों से 274 भगोड़े अपराधियों को भारत वापस लाकर मोदी सरकार ने यह सिद्ध कर दिया है कि अब अपराध करके विदेश भाग जाना सुरक्षित विकल्प नहीं रह गया है। पहले की सरकारों में राजनीतिक इच्छाशक्ति के अभाव के कारण प्रत्यर्पण की प्रक्रिया वर्षों तक फाइलों में उलझी रहती थी। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भगोड़ों के प्रत्यर्पण को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया और गृह मंत्री अमित शाह ने इसे "मिशन मोड" में आगे बढ़ाकर कानून के शिकंजे को वैश्विक स्तर तक मजबूत किया। आज भारत ने एक ऐसा एकीकृत, खुफिया आधारित और अत्याधुनिक तकनीक से लैस मॉडल विकसित किया है, जिसके माध्यम से दुनिया के किसी भी कोने में छिपे अपराधियों का पता लगाकर उन्हें भारत लाने की प्रक्रिया तेज और प्रभावी हुई है। हम आपको बता दें कि मोदी सरकार की रणनीति तीन मजबूत स्तंभों– वैश्विक अभियान, मजबूत समन्वय और स्मार्ट कूटनीति पर आधारित रही है। गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट किया है कि भगोड़े अपराधियों का मुद्दा केवल कानून-व्यवस्था का नहीं, बल्कि देश की संप्रभुता, राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और न्याय व्यवस्था से जुड़ा विषय है। इसी सोच के अनुरूप केंद्र सरकार ने लगातार कानूनी और संस्थागत सुधार किए हैं। हम आपको याद दिला दें कि मोदी सरकार ने वर्ष 2019 में एनआईए संशोधन अधिनियम और यूएपीए संशोधन अधिनियम लागू किए, जबकि वर्ष 2024 में लागू तीन नए आपराधिक कानूनों में पहली बार बीएनएसएस की धारा 355 और 356 के माध्यम से 'ट्रायल इन ऐब्सेन्शिया' का प्रावधान किया गया। अब कोई अपराधी विदेश में बैठकर भारतीय कानून का मजाक नहीं उड़ा सकेगा; उसकी अनुपस्थिति में भी मुकदमा चल सकेगा और न्यायिक प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। साथ ही प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने इंटरपोल और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ सहयोग को अभूतपूर्व स्तर तक मजबूत किया है। पिछले तीन वर्षों में 401 रेड कॉर्नर नोटिस जारी किए गए। वर्ष 2025 में लॉन्च किए गए भारतपोल ने 1,400 से अधिक केंद्रीय और राज्य एजेंसियों को इंटरपोल नेटवर्क से जोड़कर सूचना साझा करने की प्रक्रिया को कई सप्ताह से घटाकर महज 3 से 10 दिन तक सीमित कर दिया है। इसके अलावा, मोदी सरकार ने आर्थिक अपराधियों के खिलाफ भी अभूतपूर्व कार्रवाई की है। पीएमएलए के सख्त क्रियान्वयन के चलते वर्ष 2019 से 2026 के बीच 17,874 करोड़ की संपत्ति जब्त की गई, जबकि 18,762 करोड़ की राशि सफलतापूर्वक वापस कराई गई। यह उन लोगों के लिए स्पष्ट संदेश है जो देश का पैसा लूटकर विदेश भाग जाने का सपना देखते हैं। साथ ही विदेशों में नाम और पहचान बदलकर छिपे अपराधियों को खोजने के लिए 'ऑपरेशन त्रिशूल' चलाया गया, जिसमें सैटेलाइट तकनीक, डिजिटल फुटप्रिंट, जियो-लोकेशन और प्रोफाइल मैपिंग जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया गया। इससे यह साबित हुआ कि आधुनिक भारत की सुरक्षा एजेंसियों की पहुंच अब सीमाओं से कहीं आगे तक है। इन्हीं सब प्रयासों के चलते वर्ष 2019 से 2026 के बीच भारत 36 देशों से 274 भगोड़े अपराधियों को वापस लाने में सफल रहा।

● जिसके माध्यम से दुनिया के किसी भी कोने में छिपे अपराधियों.....

आज भारत ने एक ऐसा एकीकृत, खुफिया-आधारित और अत्याधुनिक तकनीक से लैस मॉडल विकसित किया है, जिसके माध्यम से दुनिया के किसी भी कोने में छिपे अपराधियों का पता लगाकर उन्हें भारत लाने की प्रक्रिया तेज और प्रभावी हुई है।

राहुल गांधी का पीएम-आरएसएस पर बड़ा हमला: हमारा इतिहास नहीं बदल सकते

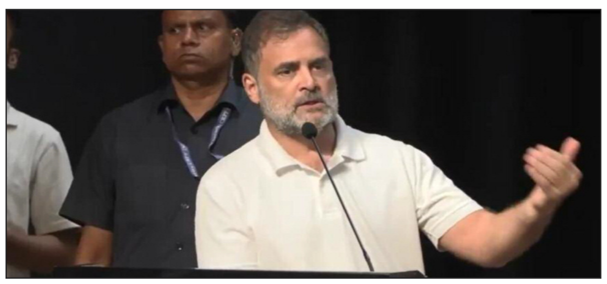

नई दिल्ली एजेंसी: लोकसभा नेता राहुल गांधी कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में मारुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एमडीएमके) के महासचिव वाइको के संसदीय भाषणों के संकलन "वाइको इन पार्लियामेंट" पुस्तक के विमोचन के अवसर पर पहुंचे। इस दौरान राहुल गांधी ने कहा कि हर राज्य को अपनी बात कहने का अधिकार है। हर राज्य को अपनी संस्कृति, अपने इतिहास और अपनी भाषा का अधिकार है। और यहाँ अचानक कुछ ऐसे नासमझ लोग आ गए हैं जो तमिल भाषा नहीं समझते, जो तमिल लोगों को नहीं समझते, जो मराठी लोगों को नहीं समझते, जो बंगाली लोगों को नहीं समझते, जो केरल के लोगों को नहीं समझते और कहते हैं कि 'नहीं, इनमें से कोई भी इतिहास काम का नहीं है, इनमें से कोई भी सोच काम की नहीं है, इनमें से कोई भी भाषा काम की नहीं है। राहुल ने आगे कहा कि सिर्फ. वही भाषा और वही इतिहास जरूरी और काम का है जिसे आरएसएस ने तय किया है।' असल में लड़ाई इसी बात की है। इसीलिए छात्र बाहर हैं। क्योंकि भारत कभी भी अपनी किसी भी संस्कृति, भाषा या इतिहास को किसी के भी द्वारा कुचले जाने को स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि हम अपने देश में एक अजीब दौर से गुजर रहे हैं। छात्र सड़कों पर हैं। वे नौकरी, निष्पक्ष परीक्षा और एक बेहतर शिक्षा व्यवस्था की मांग कर रहे हैं। और दूसरी तरफ, हमारे प्रधानमंत्री हैं जो उन्हें माफ कर रहे हैं। उन्हें माफ करने वाले वे कौन होते हैं? उन्हें यह खयाल कहाँ से आया कि उन्हें भारत के भविष्य को माफ करने का अधिकार है? राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री, उनके सहयोगियों और आरएसएस की सोच के पीछे एक बहुत ही खतरनाक और तीखी सोच छिपी है। इन लोगों का मानना है कि भारत के अलग-अलग राज्यों के इतिहास, पहचान और भाषाएँ बेमतलब हैं, और सिर्फ. आरएसएस द्वारा तय की गई भाषा और इतिहास ही अहम हैं। इसीलिए छात्र सड़कों पर उतरे हैं। भारत कभी भी अपनी संस्कृतियों, भाषाओं या इतिहास को किसी के भी द्वारा कुचले जाने को बर्दाश्त नहीं करेगा। वे अपने तरीके से 'भारत के विचार' की रक्षा कर रहे हैं। "वाइको इन पार्लियामेंट" किताब के लॉन्च पर जेकेएनसी प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि भारत एक विविधतापूर्ण देश है। यहाँ इतनी सारी भाषाएँ, संस्कृतियाँ और जीवन-शैली हैं, फिर भी हम एकजुट हैं

राम मंदिर से लेकर छात्रों के मुद्दे तक, दोनों सदनों में विपक्ष का हंगामा लगातार जारी

नई दिल्ली एजेंसी: मंगलवार को लोकसभा में विपक्ष के विरोध के बीच 'विनियोग (संख्या 3) विधेयक, 2026' को ध्वनि मत से पारित किया गया। वहीं, राज्यसभा ने 'जन्म और मृत्यु (संशोधन) विधेयक, 2026' को पारित कर दिया। यह विधेयक पिछले हफ़्ते निचले सदन में पारित हुआ था। मंगलवार को कई मुद्दों पर दोनों सदनों की कार्यवाही कई बार स्थगित करनी पड़ी। इसके बाद दोनों सदनों को दिन भर के लिए स्थगित कर दिया गया है और अब वे बुधवार (5 अगस्त, 2026) को सुबह 11 बजे फिर शुरू होगी। आज दोनों सदनों में क्या हुआ राज्यसभा में गृह राज्य मंत्री नित्यानन्द राय ने मंगलवार को कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकारों पर जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण संबंधी कानून को ठीक से लागू नहीं कर देश एवं लोकतंत्र के साथ धोखा करने का आरोप लगाया और दावा किया कि वर्तमान सरकार इन दोनों के सार्वभौमिक पंजीकरण के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रही है। उच्च सदन में गृह राज्य मंत्री नित्यानन्द राय ने विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी और हंगामे के बीच जन्म और मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) विधेयक 2026 पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि विलंब से जन्म और मृत्यु पंजीकरण कराने से होने वाले दुरूपयोग को रोकने के लिए इसमें कई प्रावधान किए गए हैं। पूर्वाह्न 11 बजे सदन की बैठक शुरू होने पर जब लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने प्रश्नकाल शुरू कराना चाहा तो विपक्ष के सदस्य हंगामा करने लगे। वे अयोध्या के राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी का मुद्दा उठा रहे थे और दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्रवाई को लेकर गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग कर रहे थे। बिरला ने कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों से प्रश्नकाल चलने देने का आग्रह करते हुए कहा कि मैं आप सभी को बोलने का अवसर दूंगा, लेकिन प्रश्नकाल में केवल प्रश्न-उत्तर होते हैं और सभी से अनुरोध है कि कार्यवाही चलाने में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि मैंने कल भी बीएसी (कार्य मंत्रणा समिति) की बैठक में सभी दलों से यह अनुरोध किया था। संसद लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच है और चर्चा एवं संवाद के लिए है।

विधानसभा में बवाल पर भड़के योगी, बोले- सपा को संविधान पर भरोसा नहीं, राम मंदिर विवाद पर कही बड़ी बात

अयोध्या एजेंसी: अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले दान में हेराफेरी के आरोपों के बीच, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष की आलोचना करते हुए इसे भारत की आस्था पर हमला बताया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज विधानसभा में पूरे राज्य ने समाजवादी पार्टी और विपक्ष का व्यवहार देखा। यह व्यवहार न केवल सदन का अपमान है, बल्कि अलोकतांत्रिक और शर्मनाक भी है। सदन नियमों और परंपराओं से चलता है। उत्तर प्रदेश विधानसभा की कार्यप्रणाली और कामकाज के नियमों के नियम 59 के तहत यह पहले से तय है कि किसी ट्रिब्यूनल या आयोग के पास लंबित किसी भी मुद्दे पर सदन में चर्चा नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि विशेष परिस्थितियों में, यदि अध्यक्ष को लगता है कि चर्चा से जांच प्रक्रिया में कोई बाधा नहीं आएगी, तो वे अनुमति दे सकते हैं। समाजवादी पार्टी ने बिजनेस एडवाइजरी कमेटी में यह भी आश्वासन दिया था कि वे जिन मुद्दों पर चर्चा करना चाहते हैं, उनके लिए नोटिस देंगे। अयोध्या राम मंदिर का मामला अदालत में लंबित है। मामले की गंभीरता को समझने के बावजूद, उन्होंने न केवल सदन का अपमान किया है, बल्कि अदालत की चल रही प्रक्रिया का भी अपमान करने की शर्मनाक कोशिश की है। योगी आदित्यनाथ ने आगे कहा कि जिनका मुख्य मकसद ही हंगामा करना रहा हो, उन्हें लोकतांत्रिक कैसे कहा जा सकता है? वे 'हल्ला बोल' में यकीन रखते हैं। वे संवैधानिक संस्थाओं का अपमान करते हैं। अयोध्या मामले में, जहाँ ये लोग चंदा चोरी की बात करते हैं, वहाँ चंदा चोरी नहीं हुई थी; मामला चढ़ावे से जुड़ा था। राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने इस मामले में राज्य सरकार को पत्र लिखकर कहा कि अखबारों और मीडिया में इस बारे में जानकारी आई है, और हम चाहते हैं कि SIT बने और जांच हो। ट्रस्ट, कोर्ट द्वारा बनाया गया एक चैरिटेबल ट्रस्ट है। राज्य सरकार, ट्रस्ट के अनुरोध या कोर्ट के फैसले के बिना इस मामले में दखल नहीं दे सकती थी। उन्होंने कहा कि 23 जून को SIT ने अपनी रिपोर्ट सौंपी। ट्रस्ट ने 25 जून को FIR दर्ज कराई। FIR के बाद, सबूतों के आधार पर आठ लोगों को पकड़ा गया।

आसाराम बापू मेडिकल बेल: एम्स की रिपोर्ट पर सुप्रीम कोर्ट ने जताई हैरानी, 6 अगस्त को होगी सुनवाई

नई दिल्ली एजेंसी: सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एम्स की एक मेडिकल रिपोर्ट पर ध्यान दिया। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि खुद को भगवान बताने वाले और रेप के दोषी आसाराम बापू को अस्पताल में भर्ती करने की जरूरत नहीं है, हालांकि उन्हें चौबीसों घंटे मेडिकल देखरेख की जरूरत है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस पीबी वराले की बेंच ने मेडिकल आधार पर अंतरिम जमानत की उनकी अजी पर सुनवाई के लिए 6 अगस्त की तारीख तय की। रिपोर्ट की समीक्षा करते हुए बेंच ने टिप्पणी की, रिपोर्ट के पहले हिस्से में कहा गया है कि (अस्पताल में भर्ती करने की) जरूरत नहीं है, फिर कहा गया है कि चौबीसों घंटे (मेडिकल देखरेख) की जरूरत है। हम इसे (सुनवाई के लिए) परसों के लिए रखेंगे। 21 जुलाई को, बेंच ने एम्स से आसाराम बापू की मेडिकल आधार पर जमानत की अजी पर उनकी सेहत के बारे में मेडिकल रिपोर्ट जमा करने को कहा था। राजस्थान सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पहले उनकी जमानत अजी का विरोध किया था और बेंच को बताया था कि मेडिकल आधार पर जमानत मिलने के बाद आसाराम तीन महीने पहले अयोध्या और काशी गए थे।

सुप्रीम कोर्ट आसाराम की उस अजी पर सुनवाई कर रहा था जिसमें उन्होंने 2013 में जोधपुर में एक नाबालिग भक्त के यौन उत्पीड़न के मामले में अपनी सजा को बरकरार रखने के राजस्थान हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती दी थी। उन्होंने अपनी अपील लंबित रहने के दौरान अंतरिम जमानत की भी मांग की थी। एक ट्रायल कोर्ट ने आसाराम बापू और दो सह-आरोपियों को दोषी ठहराया था।

प्रशांत किशोर का बड़ा आरोप: बांकीपुर में लोगों ने सम्राट चौधरी के चेहरे को नकारा

बांकीपुर: जन सुराज के संस्थापक और हाल ही में चुने गए विधायक प्रशांत किशोर ने मंगलवार को कहा कि बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव का नतीजा बिहार की जनता की ओर से बीजेपी और एनडीए नेतृत्व के लिए राज्य का नेतृत्व बदलने का संदेश था। उन्होंने आरोप लगाया कि मतदाताओं ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को उनके आचरण, चरित्र और चेहरे के कारण नकार दिया। बांकीपुर उपचुनाव के नतीजों के बाद एएनआई से बात करते हुए किशोर ने कहा कि ये नतीजे सरकार बदलने की मांग के बजाय बिहार में बीजेपी की लीडरशिप से जनता की नाराजगी को दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि बांकीपुर में मिली जीत को बिहार की जनता की ओर से बीजेपी और एनडीए की लीडरशिप को एक संदेश देने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है: बिहार के मुख्यमंत्री के तौर पर किसी बेहतर व्यक्ति को नियुक्त करें और सत्ता में आने पर किए गए वादों पर ध्यान दें। जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल हो रहा है - जैसे अपराध, आधे-अधूरे एनकाउंटर और लोगों को उनकी जाति या गमछे के आधार पर गोली मारना - उसे बंद किया जाना चाहिए। इसके बजाय, बिहार में शिक्षा, रोजगार और पलायन जैसे मुद्दों पर बातचीत होनी चाहिए। पिछले साल नवंबर में हुए विधानसभा चुनावों में 51,000 से ज्यादा वोटों से जीती गई सीट पर इखढ की हार पर सवाल उठाते हुए किशोर ने कहा कि स्थानीय मुद्दे वैसे ही बने हुए हैं और उन्होंने इस उलटफेर की वजह मौजूदा लीडरशिप के प्रति जनता की नाराजगी को बताया। उन्होंने कहा कि जब यहां के लोगों ने नवंबर में बीजेपी को 51,000 से ज्यादा वोटों से जिताया था, तो बाकीपुर की सड़कें नहीं टूटीं और न ही वहां कुछ गलत हुआ। इसके बावजूद, अगर लोगों ने उन्हें यहां हराया है, तो क्या बदला है? बदला यह है कि बीजेपी ने बिहार में एक ऐसा नया नेतृत्व दिया है जो बिहार के लोगों को मंजूर नहीं है। यह मंजूर नहीं है क्योंकि लोग उस व्यक्ति के व्यवहार, चरित्र और चेहरे से सहज नहीं हैं। बिहार के नेता सम्राट चौधरी पर निशाना साधते हुए किशोर ने आगे आरोप लगाया कि बीजेपी ने एक ऐसे नेता को बिठाया है

शिव भक्तों के पांव पखार कर दिया बड़ा संदेश, देवभूमि में आस्था और सुशासन का अनूठा मॉडल: सीएम धामी

उत्तराखंड एजेंसी: उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को हरिद्वार में सालाना कांवड़ यात्रा के लिए आ रहे कांवड़ियों का स्वागत किया। उन्होंने हेलीकॉप्टर से शिव भक्तों पर फूलों की बारिश की और सम्मान के तौर पर पांच तीर्थयात्रियों के पैर धोए। मुख्यमंत्री धामी ने अलकनंदा होटल परिसर में 'मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सेवा शिविर' का उद्घाटन भी किया और तीर्थयात्रियों के लिए की गई चिकित्सा सुविधाओं और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अलग-अलग राज्यों से आए कांवड़ियों से बातचीत की और भक्तों को भोजन परोसा। सम्मान समारोह के दौरान लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि उत्तराखंड सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि देवभूमि आने वाले हर शिव भक्त की तीर्थयात्रा सुरक्षित, सुविधाजनक और सम्मानजनक हो। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि भारत की सनातन परंपराओं, सामाजिक सद्भाव और आध्यात्मिक चेतना का एक भव्य उत्सव है। राज्य सरकार, सभी संबंधित विभागों के साथ मिलकर, इस तीर्थयात्रा के सफल आयोजन को सुनिश्चित करने के लिए लगातार काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले पांच सालों से उन्हें कांवड़ यात्रा के दौरान शिव भक्तों की सेवा करने का सौभाग्य मिला है। उन्होंने भगवान शिव को लाखों लोगों के लिए आस्था, शक्ति और भक्ति का स्रोत बताया। मुश्किल हालात के बावजूद, भक्त "बम-बम भोले" का जयकारा लगाते हुए सैकड़ों किलोमीटर की यात्रा करते हैं, जो उनकी अटूट भक्ति को दिखाता है। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा अनुशासन, सेवा, समर्पण और सामाजिक एकता का भी प्रतीक है। मुख्यमंत्री धामी ने बताया कि इस साल एक करोड़ से ज्यादा कांवड़ियों ने सफलतापूर्वक पवित्र गंगा जल लिया और अपनी मंज़िल की ओर बढ़े। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की सांस्कृतिक विरासत और पवित्र स्थलों को बचाने और विकसित करने के लिए अभूतपूर्व प्रयास किए जा रहे हैं। काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर, महाकाल लोक, श्री राम जन्मभूमि, केदारनाथ धाम का पुनर्निर्माण और बद्रीनाथ मास्टर प्लान जैसी परियोजनाएं भारतीय संस्कृति को एक नई वैश्विक पहचान दे रही हैं। 2013 की केदारनाथ आपदा का ज़िक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में, बड़े पैमाने पर पुनर्निर्माण के जरिए केदारनाथ धाम को एक भव्य और दिव्य तीर्थ स्थल में बदल दिया गया है। आस्था पथ, सरस्वती घाट, आदि शंकराचार्य की प्रतिमा और तीर्थ पुरोहितों के लिए आवास जैसी सुविधाएं विकसित की गई हैं। उन्होंने आगे कहा कि हरिद्वार में गंगा कॉरिडोर और शारदा कॉरिडोर जैसी प्रस्तावित परियोजनाएं राज्य के विकास और धार्मिक पर्यटन को नई गति देंगी। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि तीर्थ यात्रा मार्गों पर सीसीटीवी निगरानी, ड्रोन मॉनिटरिंग, एम्बुलेंस सेवाएं, स्वास्थ्य शिविर और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणालियां तैनात की गई हैं। उन्होंने भक्तों से यह भी अपील की कि वे पूरी यात्रा के दौरान अनुशासन बनाए रखें, तीर्थ यात्रा की पवित्रता का सम्मान करें और धार्मिक परंपराओं का पालन करें।

मुख्यमंत्री धामी ने अलकनंदा होटल परिसर में 'मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सेवा शिविर' का उद्घाटन भी किया और तीर्थयात्रियों के लिए की गई चिकित्सा सुविधाओं और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अलग-अलग राज्यों से आए कांवड़ियों से बातचीत की और भक्तों को भोजन परोसा।

संपादकीय

भाजपा को झटका

विधानसभा के हालिया उपचुनावों के जो परिणाम सामने आए हैं, वे निश्चित रूप से भारतीय जनता पार्टी के माथे पर शिकन लाने वाले कहे जा सकते हैं। बिहार जहां भाजपा के नेतृत्व में गठबंधन सरकार है और पहली बार उसका मुख्यमंत्री बना है, वहां हाईप्रोफाइल बांकीपुर उपचुनाव में उसे हार का सामना करना पड़े तो इसको लेकर पार्टी की फिक्र बढ़ना लाजमी ही है। पिछले बिहार विधानसभा चुनावों में नई-नवेली बनी जन सुराज पार्टी यानी जे.एस.पी की करारी हार हुई थी। उस हार से सबक लेकर जेएसपी के सुप्रीमो प्रशांत किशोर ताल ठोककर बांकीपुर उपचुनाव मैदान में उतरे थे। इस तरह प्रशांत किशोर ने बांकीपुर उपचुनाव में अच्छी जीत हासिल करके भाजपा के गढ़ में सेंध लगाने में कामयाबी हासिल कर ही ली। राज्य में सत्ताधारी गठबंधन का नेतृत्व करने वाली भारतीय जनता पार्टी के लिये चुनाव परिणाम और भी अधिक कष्टदायक होगा, क्योंकि यह पार्टी के खाते वाली सीट थी। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने नितिन नवीन के राज्यसभा के लिये चुने जाने के बाद यह सीट खाली हुई थी। जाहिर तौर पर यह सामान्य विधानसभा सीट नहीं थी, इसको फिर से हासिल करना भाजपा की प्राथमिकता भी रही होगी। कमोबेश भाजपा के लिये ऐसी ही निराशाजनक खबरें अन्य राज्यों से भी आई हैं। लंबे समय से भाजपा का गढ़ माने जाने वाले एक और राज्य मध्यप्रदेश में भाजपा उम्मीदवार को हार मिली। मध्य प्रदेश की दतिया सीट कांग्रेस ने कब्जा ली है। दरअसल, इस सीट में उपचुनाव में टिकट बंटवारे को लेकर खासा बवाल हुआ था। पिछली भाजपा सरकार में इस सीट से एक दिग्गज मंत्री बने थे। इस बार उनको टिकट न मिलने पर उग्र प्रदर्शन व धरने हुए थे। इस बड़े विवाद का फायदा कांग्रेस के प्रत्याशी को हुआ। हां, भाजपा के लिए एक सुकूनभरी खबर गुजरात से आई। पार्टी के इस परंपरागत गढ़ में उपचुनाव के बाद, वडोदरा जिले की मंजलपुर विधानसभा सीट पर पार्टी ने अपना कब्जा बरकरार रखा। बहरहाल, बिहार में बांकीपुर सीट को खो देना भाजपा को परेशान करने वाला जरूर है। बांकीपुर का बदला जनादेश न सिर्फ नितिन नवीन के लिये, बल्कि बिहार में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के लिये भी असहज करने वाली स्थिति है। दरअसल, प्रचार के दौरान प्रशांत किशोर ने स्थानीय मुद्दों के साथ मुख्यमंत्री पर तीखे हमले किये थे। उन्होंने राज्य में भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और कानून-व्यवस्था जैसे अहम मुद्दों को लगातार विभिन्न मंचों से उठाया था। जाहिर है अब मुख्यमंत्री को पार्टी के भीतर ही जवाबदेही को लेकर मुश्किल स्थिति का सामना करना होगा।

चिंतन-मनन

सांख्य और कर्मयोग का संबंध

भौतिक जगत के विश्लेषणात्मक अध्ययन (सांख्य) का उद्देश्य आत्मा को प्राप्त करना है। भौतिक जगत की आत्मा विष्णु या परमात्मा है. भगवान की भक्ति का अर्थ परमात्मा की सेवा है। एक विधि से वृक्ष की जड़ खोजी जाती है और दूसरी विधि से उसको सींचा जाता है। सांख्य दर्शन का वास्तविक छात्र जगत के मूल अर्थात विष्णु को ढूंढता है, और फिर पूर्णज्ञान समेत अपने को भगवान की सेवा में लगा देता है। अतः मूलतः इन दोनों में कोई भेद नहीं है क्योंकि दोनों का उद्देश्य विष्णु की प्राप्ति है। जो लोग चरम उद्देश्य को नहीं जानते, वे ही कहते हैं कि सांख्य और कर्मयोग एक नहीं है। किंतु जो विद्वान है, वह जानता है कि इन दोनों भिन्न विधियों का उद्देश्य एक है। दार्शनिक शोध (सांख्य) का वास्तविक उद्देश्य जीवन के चरम लक्ष्य की खोज है। चूंकि जीवन का चरम लक्ष्य आत्म-साक्षात्कार है, अतः दोनों विधियों से प्राप्त होने वाले परिणामों में कोई अन्तर नहीं है। वस्तुतः जो पदार्थ से विरक्ति व कृष्ण में आसक्ति को एक तरह देखता है, वही वस्तुओं को यथारूप में देखता है।

मायावादी संन्यासी सांख्य दर्शन के अध्ययन में लगे रहते हैं तथा वैष्णव संन्यासी वेदान्त सूत्रों के यथार्थ भाष्य भागवत दर्शन के अध्ययन में लगे रहते हैं। वैष्णव संन्यासियों को भौतिक कार्य से कोई सरोकार नहीं रहता, तो भी वे भगवान की भक्ति में नाना प्रकार के कार्य करते हैं। किन्तु मायावादी संन्यासी, जो सांख्य तथा वेदान्त के अध्ययन व चिन्तन में लगे रहते हैं, भगवान की दिव्य भक्ति का आनन्द नहीं उठा पाते। उनका अध्ययन अत्यन्त जटिल हो जाता है, अतः वे कभी-कभी ब्रह्म चिन्तन से ऊबकर समुचित बोध बिना ही भागवत की शरण ग्रहण करते हैं। मायावादी संन्यासी कभी-कभी आत्म-साक्षात्कार के पथ से नीचे गिर जाते हैं और फिर से समाजसेवा, परोपकार जैसे भौतिक कर्म में प्रवृत्त होते हैं। अतः निष्कर्ष निकला कि कृष्णभावनामृत के कार्य में लगे रहने वाले लोग ब्रह्म-अब्रह्म विषयक चिन्तन में लगे संन्यासियों से श्रेष्ठ होते हैं, यद्यपि वे भी अनेक जन्मों के बाद कृष्णभावनाभावित हो जाते हैं।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

मुद्दों से क्यों भटका छात्र आंदोलन?

सुरेश हिंदुस्तानी

लोकतंत्र में आंदोलन केवल विरोध का माध्यम नहीं होते, बल्कि जनता की भावनाओं, अपेक्षाओं और समस्याओं को शासन तक पहुँचाने का सशक्त साधन भी हैं। इतिहास गवाह है कि अनेक आंदोलनों ने देश की नीतियों में परिवर्तन कराया, सामाजिक सुधारों का मार्ग प्रशस्त किया और शासन को जनभावनाओं के अनुरूप निर्णय लेने के लिए प्रेरित किया। किंतु पिछले कुछ वर्षों में एक ऐसी प्रवृत्ति भी देखने को मिली है, जिस पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता है। अनेक आंदोलन अपने मूल उद्देश्य से भटककर राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का मंच बन जाते हैं। परिणामस्वरूप जिस समस्या के समाधान के लिए आंदोलन शुरू होता है, वही धीरे-धीरे चर्चा के केंद्र से बाहर हो जाती है।

नीट परीक्षा में कथित पेपर लीक और परीक्षा प्रक्रिया को लेकर उठे विवाद ने देशभर के लाखों विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को चिंतित किया। यह केवल एक परीक्षा का प्रश्न नहीं था, बल्कि देश की शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता और युवाओं के भविष्य का विषय था। इसलिए स्वाभाविक रूप से छात्रों ने निष्पक्ष जांच, दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई और पारदर्शी व्यवस्था की मांग की। यह एक ऐसा मुद्दा था, जिस पर राजनीति से ऊपर उठकर सभी पक्षों को विद्यार्थियों के हित में एकमत दिखाई देना चाहिए था। लेकिन राजनीतिक स्वार्थ के चलते यह आंदोलन दिशा से भटकता हुआ दिखाई दिया।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में विपक्ष का दायित्व है कि वह सरकार से जवाब मांगे और जनहित के प्रश्नों को प्रभावी ढंग से उठाए। इसी प्रकार सरकार का दायित्व है कि वह हर गंभीर आरोप की निष्पक्ष जांच कराए, दोषियों को दंडित करे और जनता का विश्वास बनाए रखे। लेकिन जब आंदोलन का केंद्र समाधान के बजाय राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप बन जाता है, तब मूल मुद्दा पीछे छूटने लगता है।

यह भी देखा गया है कि कई बार अलग-अलग राज्यों में समान प्रकृति की घटनाओं पर राजनीतिक दलों की प्रतिक्रियाएँ अलग-अलग होती हैं। इससे जनता के मन में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या राजनीतिक दल सभी मामलों में एक समान सिद्धांत अपनाते हैं, या उनका रुख राजनीतिक परिस्थितियों के अनुसार बदल जाता है? लोकतंत्र में जनविश्वास बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि सार्वजनिक हित के मुद्दों पर राजनीतिक दलों का आचरण अधिक सुसंगत और सिद्धांत आधारित दिखाई दे।

यह प्रश्न केवल राजनीतिक दलों तक सीमित नहीं है। आंदोलन का नेतृत्व करने वाले संगठनों और नागरिक समूहों की भी बड़ी जिम्मेदारी होती है। यदि आंदोलन का उद्देश्य किसी समस्या का समाधान है, तो उसे उसी लक्ष्य पर केंद्रित रखना चाहिए। आंदोलन में अनावश्यक राजनीतिक ध्रुवीकरण या विषयांतर से बचना आवश्यक है, क्योंकि इससे समाधान की प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। मीडिया की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र का चौथा स्तंभ होने के कारण उसका दायित्व है कि वह मूल मुद्दे को केंद्र में रखे। यदि समाचारों और बहसों में वास्तविक समस्या की अपेक्षा राजनीतिक टकराव अधिक स्थान पाने लगे, तो जनचर्चा भी उसी दिशा में मुड़ जाती है। इससे जनता का ध्यान समस्या के समाधान से हटकर राजनीतिक विवादों में उलझ सकता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि आंदोलन की सफलता का आकलन इस आधार पर किया जाए कि उससे समस्या का कितना समाधान हुआ, न कि इससे किस राजनीतिक दल को लाभ या हानि हुई। किसी भी आंदोलन की विश्वसनीयता तभी बनी रहती है, जब वह अपने घोषित उद्देश्य, नैतिक मयार्दा और जनहित के प्रति प्रतिबद्ध रहे।

लोकतंत्र में राजनीति आवश्यक है, क्योंकि वही नीतियाँ बनाती है और शासन चलाती है। लेकिन राजनीति का उद्देश्य केवल सत्ता प्राप्त करना नहीं, बल्कि जनहित और राष्ट्रहित की रक्षा करना होना चाहिए। यदि हर जनआंदोलन राजनीतिक संघर्ष का अखाड़ा बन जाएगा, तो समाज का विश्वास कमजोर होगा और वास्तविक समस्याएँ समाधान की प्रतीक्षा करती रह जाएँगी।

आवश्यकता इस बात की है कि सरकार, विपक्ष, आंदोलनकारी संगठन, मीडिया और नागरिक, सभी अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करें। जब जनहित सर्वोपरि होगा और समाधान राजनीति पर भारी पड़ेगा, तभी लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति सामने आएगी। आंदोलनों की दिशा भी तभी सार्थक होगी, जब उनका लक्ष्य केवल विरोध नहीं, बल्कि व्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन लाना होगा।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

उप-चुनाव, बड़ा संकेत-भाजपा का अति आत्म विश्वास या बदलती तस्वीर

ऋतुपर्ण दवे

तीन अगस्त को तीन राज्यों के तीन नतीजे बहुत बड़े संकेत हैं। निश्चित रूप से बिहार का नतीजा जहाँ सत्ताधारी दल के लिए हैरान और परेशान करने वाला रहा। वहीं मध्यप्रदेश का नतीजा सत्ताधारी दल की अन्दरूनी गुटबाजी का परिणाम रहा। गुजरात में भाजपा की जीत स्वाभाविक कही जा सकती है। सबसे चर्चित जीत रही प्रशान्त किशोर उर्फ पीके की, क्योंकि राज्य की जनता को विकल्प के तौर पर एक नया दल जनसुराज जो मिल गया। पहले बिहार वासियों के पास दो ही विकल्प थे। राजद और भाजपा। राजद से मोहभंग हो गया था और पीके मतदाताओं के बीच अपनी जगह बनाने की कवायद कर रहे थे। हालाकि बीते विधानसभा चुनाव में उनका एक भी प्रत्याशी नहीं जीता और वो खुद चुनाव में खड़े नहीं हुए। लेकिन बिहार की नब्ज को टटोलते रहे। इसी बीच नितिन नबीन के भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद उनकी बांकीपुर सीट खाली हुई जो पीके लिए मौके पर चौका लगाने जैसा रहा। हाँ, उन्होंने छक्का जरूर जड़ दिया ये बात अलग है। बांकीपुर सीट पटना के शहरी इलाके की है जिसे शुरू से ही भाजपा का मजबूत गढ़ माना जाता रहा। इस नतीजे ने न केवल यह मिथक तोड़ा बल्कि भाजपा में खलबली मचा दी। माना जा रहा है कि पेपर लीक और परीक्षाओं में धांधलियों के चलते युवाओं की नाराजगी और जंतर-मंतर पर चले लंबे आन्दोलन ने भी भाजपा की छवि पर डेन्ट लगाया। इधर भाजपा अति आत्मविश्वास में थी और यह समझने में नाकाम रही कि हवा हमेशा एक ही दिशा में नहीं बहती। चंदा चोरी और जेन-जी आन्दोलन के बीच भाजपा ने अपने 40 स्टार प्रचारक उतार दिए। लेकिन राजद के चार सांसद तक बांकीपुर नहीं पहुंचे। इतना ही नहीं नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव तो विदेश चले गए जिन्होंने आखीर-आखीर में रोड शो किया। लेकिन तब तक बांकीपुर के मतदाताओं को यह समझना आसान हो गया कि तेजस्वी यादव और राजद अपने उम्मीदवार को लेकर गंभीर नहीं है। संकेत साफ रहा मतदाता को कहीं और शिफ्ट होना था। विकल्प के तौर पर पढ़ा लिखा, राजनीति को समझने-जानने वाले रणनीतिकार के रूप में पीके का नाम था इसलिए ज्याद सोचने-समझने के बजाए बिहार और देश के हालातों को देखते हुए मतदाताओं ने इस छोटे से चुनाव में बड़ा संदेश दे दिया। भाजपा को नुकसान पहुंचाने में भरत तिवारी एनकाउंटर मामला भी माना जा रहा है। इस एनकाउंटर ने न केवल युवाओं बल्कि खुल कर भाजपा के सवर्ण विरोधी होने को जबरदस्त हवा दी। भाजपा के तमाम जिम्मेदारों और रणनीतिकारों ने भाजपा विरोधी माहौल को थामने और बदलने की कोशिश की पर यह हो न सका। अंततः जीत भाजपा के हाथ से निकल गई और कई दशकों से भाजपा की परंपरागत कहलाने वाली बांकीपुर और राष्टीय अध्यक्ष नितिन नबीन के कारण अतिप्रतिष्ठत हुई सीट हाथ से निकल गई। अब बिहार की राजनीति को समझने वाले यह कह रहे हैं कि पीके भाजपा सरकार, विशेषकर सम्राट चौधरी के लिए सदन के अन्दर भी और बाहर भी मुश्किलें बढ़ाएंगे क्योंकि ब उनका मकसद सिर्फ विधायकी नहीं बल्कि अपनी पार्टी को बिहार में नया मुकाम जो देना है।

कमोवेश यही स्थिति मध्यप्रदेश के दतिया में रही। 2023 में हुए विधानसभा चुनाव में दतिया से नरोत्तम मिश्रा की हार के बाद भाजपा के अन्दरूनी हलकों में कहीं खुशी, कहीं गम का माहौल था। लेकिन वहां से चुने गए कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती को बैंक धोखाधड़ी मामले में दोषी ठहराए जाने और सजा हो जाने के बाद अप्रैल में अयोग्य घोषित कर दिए जाने से हुए उपचुनाव में घनश्याम सिंह ने कांग्रेस से चुनाव लड़कर सीट को बरकरार रखा। लेकिन इसमें सबसे ज्यादा बिना चुनाव लड़े मुश्किल नरोत्तम मिश्रा की हुई। जिन्होंने चुनाव से काफी पहले ही प्रचार और जनसंपर्क बढ़ा दिया था। लेकिन ऐन वक्त पर उन्हें टिकट नहीं मिली। जिस कारण यह सीट बहुत ही बड़ी प्रतिष्ठा का कारण बन गई। नरोत्तम मिश्रा की स्थिति न उगल पाने, न निगल पाने जैसी हो गई। यदि यहाँ से भाजपा जीतती तो उनका राजनीतिक कद घटता और अब कॉंग्रेस जीत गई है तो भी उनके राजनीतिक भविष्य पर सवाल उठ रहे हैं। निश्चित रूप से नरोत्तम मिश्रा का कद देखते हुए उनकी मंशा और उनके समर्थक इस मतदान के दौरान किस निर्णय पर पहुंचे होंगे, कहने की जरूरत नहीं। लेकिन नरोत्तम मिश्रा की मुसीबतें तो बढ़ीं। कांग्रेस की जीत के बाद प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी की संगठन में स्थिति और मजबूत होगी। कांग्रेस के लिए भी यह चुनाव बेहद खास था क्योंकि करीब साल भर से संगठन को मजबूत करने और नए नेतृत्व को आगे बढ़ाने के लिए कॉंग्रेस जबरदस्त संघर्ष कर रही थी। अब यह जीत संजीवनी का काम करेगी। हालाकि कॉंग्रेस ने चुनाव को त्रिकोणीय बनाने की कोशिश कर आजाद समाज पार्टी ने दामोदर सिंह यादव को मैदान में उतारा था फिर भी मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच ही रहा।

सर्वविदित है कि प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के नेतृत्व और पार्टी के चुनावी प्रबंधन के लिहाज से भी यह चुनाव भाजपा के लिए अग्नि परीक्षा माना जा रहा था, जिसमें वह विफल रही। मांजलपुर सीट से भाजपा की प्रचण्ड मतों से जीत ने पार्टी के लिए जश्न का मौका जरूर बरकरार रखा।

हाँ, कोई माने या न माने भले ही सार्वजनिक न हो लेकिन अन्दरूनी तौर पर भाजपा भी गुटबाजी से उबर नहीं पा रही है। जेन-जी आन्दोलन, पेपर लीक और भी कुछ मुद्दों पर पार्टी में अलग-अलग विचार समझ आने लगे हैं। इन चुनाव नतीजों के बाद स्थिति-परिस्थित क्या बनेगी, इसके लिए थोड़ा इंतजार करना होगा।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार और स्तंभकार हैं।)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

पीओके की पुकार और दुनिया की जिम्मेदारी

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में इन दिनों जो परिस्थितियां निर्मित हो रही हैं, वे केवल एक चुनावी प्रक्रिया की कहानी नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र, मानवाधिकार और जनविश्वास के गहरे संकट की दास्तान हैं। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की वास्तविक शक्ति निष्पक्ष चुनाव, नागरिक स्वतंत्रता और शासन की जवाबदेही में निहित होती है, लेकिन जब चुनाव भय, हिंसा, प्रशासनिक दबाव और धांधली के आरोपों से घिर जाएँ, तब लोकतंत्र का स्वरूप विकृत हो जाता है। आज पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की स्थिति इसी कठोर वास्तविकता की ओर संकेत करती है। वहाँ के लोगों का आक्रोश केवल चुनावी अनियमितताओं तक सीमित नहीं है, बल्कि वर्षों से चली आ रही आर्थिक उपेक्षा, राजनीतिक भेदभाव और नागरिक अधिकारों की अनदेखी के विरुद्ध भी है। यही कारण है कि वहाँ का असंतोष अब स्थानीय मुद्दा न रहकर अंतरराष्ट्रीय चिंता का विषय बनता जा रहा है।

लोकतंत्र केवल मतपेटियों तक सीमित नहीं होता। लोकतंत्र का अर्थ है कि प्रत्येक नागरिक बिना किसी भय, दबाव या प्रलोभन के अपनी इच्छा व्यक्त कर सके और उसकी अभिव्यक्ति का सम्मान हो। यदि किसी क्षेत्र में चुनाव पहले से तय परिणामों का माध्यम बन जाएँ, यदि सत्ता का पूरा तंत्र एक दल विशेष के पक्ष में खड़ा दिखाई दे, यदि विरोध की आवाज को बलपूर्वक दबाया जाए और शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वालों पर कठोर कार्रवाई हो, तो उसे लोकतंत्र नहीं कहा जा सकता। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में समय-समय पर ऐसे आरोप सामने आते रहे हैं कि चुनावी प्रक्रिया पूरी तरह स्वतंत्र और निष्पक्ष नहीं है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सत्ता का प्रभाव प्रशासन और चुनावी व्यवस्था पर स्पष्ट दिखाई देता है। यदि जनता के मन में यह विश्वास ही समाप्त हो जाए कि उसका मत परिवर्तन ला सकता है, तो लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण आधार ही समाप्त हो जाता है।

पाकिस्तान स्वयं को लोकतांत्रिक राष्ट्र कहता है, लेकिन उसके व्यवहार में लोकतंत्र की मूल भावना बार-बार प्रश्नों के घेरे में आ जाती है। लोकतंत्र का अर्थ केवल चुनाव करवा देना नहीं है, बल्कि असहमति का सम्मान करना, नागरिक अधिकारों की रक्षा करना और सत्ता की आलोचना को स्वीकार करना भी है। यदि विरोध करने वालों को राष्ट्रविरोधी या व्यवस्था विरोधी बताकर दबाने का प्रयास किया जाए, यदि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सीमित कर दी जाए और यदि प्रशासन जनता के बजाय सत्ता के हितों की रक्षा करता दिखाई दे, तो लोकतांत्रिक मूल्यों की विश्वसनीयता स्वतः समाप्त होने लगती है। पाकिस्तान की यही दोहरी नीति आज उसके लोकतांत्रिक दावों पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े करती है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के लोगों की सबसे बड़ी पीड़ा केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि आर्थिक भी है। प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध होने के बावजूद वहाँ का सामान्य नागरिक मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहा है। बिजली संकट, महँगाई, बेरोजगारी, आवश्यक वस्तुओं की कमी और विकास की धीमी गति ने जनजीवन को अत्यंत कठिन बना दिया है। यह विडंबना है कि जिन नदियों से ऊर्जा उत्पन्न होती है, उसी क्षेत्र के लोग लंबे समय तक बिजली कटौती झेलने को विवश हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि उनके संसाधनों का उपयोग तो किया जाता है, लेकिन उनके विकास के लिए अपेक्षित निवेश नहीं किया जाता। ऐसी स्थिति में जनता के भीतर असंतोष का बढ़ना स्वाभाविक है।

लोकतांत्रिक शासन की सबसे बड़ी कसौटी यह होती है कि वह संकट के समय जनता के साथ किस प्रकार खड़ा रहता है। यदि जनता की शिकायतों का समाधान संवाद से करने के बजाय दमन से किया जाए, तो यह शासन की कमजोरी का प्रमाण होता है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में विरोध प्रदर्शनों और असंतोष के प्रति जिस प्रकार का रवैया अपनाए जाने के आरोप लगते रहे हैं, वे चिंता पैदा करते हैं। लोकतंत्र का उत्तर हिंसा नहीं, बल्कि संवाद होता है। दुर्भाग्य से जब शासन संवाद छोड़कर शक्ति प्रदर्शन का मार्ग अपनाता है, तब जनता और व्यवस्था के बीच विश्वास की खाई और गहरी हो जाती है। विश्व समुदाय के सामने भी यह एक गंभीर नैतिक प्रश्न है। यदि लोकतंत्र और मानवाधिकार वास्तव में सार्वभौमिक मूल्य हैं, तो उनका संरक्षण केवल कुछ चुनिंदा क्षेत्रों तक सीमित नहीं होना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ और महाशक्तियाँ अनेक अवसरों पर दुनिया के विभिन्न हिस्सों में मानवाधिकारों और लोकतंत्र की रक्षा की बात करती हैं। यदि यही सिद्धांत सार्वभौमिक हैं, तो पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में उठ रहे प्रश्नों की भी निष्पक्ष समीक्षा होनी चाहिए। मानवाधिकारों का मूल्य भौगोलिक सीमाओं से निर्धारित नहीं होता। जहाँ भी नागरिकों की स्वतंत्रता और सम्मान प्रभावित होता है, वहाँ वैश्विक समुदाय की नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि वह स्थिति पर गंभीरता से ध्यान दे।

भारत ने हाल की घटनाओं के संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की स्थिति की ओर आकर्षित किया है और वहाँ नागरिकों के अधिकारों की रक्षा तथा दमन रोकने की आवश्यकता पर बल दिया है। इस प्रकार की अपील को केवल कूटनीतिक दृष्टि से नहीं, बल्कि मानवीय दृष्टिकोण से भी देखा जाना चाहिए। यदि किसी क्षेत्र में चुनावी प्रक्रिया पर लगातार प्रश्न उठ रहे हों, यदि नागरिक असुरक्षा और अविश्वास के वातावरण में जी रहे हों और यदि उनके मौलिक अधिकार प्रभावित हो रहे हों, तो विश्व समुदाय की निष्क्रियता भविष्य के लिए और भी गंभीर संकट उत्पन्न कर सकती है। पाकिस्तान की लोकतांत्रिक नीतियों का सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि एक ओर वह अंतरराष्ट्रीय मंचों पर लोकतंत्र, न्याय और जनाधिकारों की बात करता है, वहीं दूसरी ओर अपने नियंत्रण वाले क्षेत्रों में उन्हीं मूल्यों को व्यवहार में उतारने में विफल दिखाई देता है। लोकतंत्र की विश्वसनीयता केवल भाषणों से नहीं, बल्कि शासन की कार्यशैली से सिद्ध होती है। यदि नागरिक स्वयं को उपेक्षित, असुरक्षित और असहाय महसूस करें, तो लोकतंत्र का दावा खोखला प्रतीत होने लगता है। लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ सत्ता परिवर्तन की संभावना, स्वतंत्र संस्थाएँ, निष्पक्ष प्रशासन और नागरिकों की गरिमा की रक्षा है। यदि ये तत्व अनुपस्थित हों, तो चुनाव केवल औपचारिक प्रक्रिया बनकर रह जाते हैं।

आज आवश्यकता इस बात की है कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में चुनाव पूरी तरह शांतिपूर्ण, स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी वातावरण में संपन्न हों। मतदाता बिना किसी भय या दबाव के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें, राजनीतिक दल समान अवसर प्राप्त करें और चुनावी प्रक्रिया पर जनता का विश्वास पुनर्स्थापित हो। यह केवल उस क्षेत्र के लोगों के हित में नहीं, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया में स्थिरता और शांति के लिए भी आवश्यक है। विश्व की महाशक्तियों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों को यह समझना होगा कि लोकतंत्र की रक्षा केवल वक्तव्यों से नहीं होती। जहाँ लोकतांत्रिक संस्थाएँ कमजोर पड़ती हैं, वहाँ समय रहते निष्पक्ष निगरानी, संवाद और मानवाधिकारों के संरक्षण के लिए रचनात्मक प्रयास आवश्यक होते हैं। यदि दुनिया ऐसे मामलों में मौन रहती है, तो लोकतंत्र के सार्वभौमिक मूल्यों की विश्वसनीयता भी कमजोर पड़ती है।

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की वर्तमान परिस्थितियाँ दुनिया के लिए एक चेतावनी हैं कि चुनाव केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि जनता के विश्वास की सबसे बड़ी परीक्षा होते हैं। यदि यह विश्वास टूट जाता है, तो असंतोष, अस्थिरता और संघर्ष की परिस्थितियाँ जन्म लेती हैं। आज आवश्यकता किसी राजनीतिक पक्ष का समर्थन करने की नहीं, बल्कि लोकतंत्र, न्याय, पारदर्शिता और मानवाधिकारों की रक्षा करने की है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को निष्पक्ष दृष्टि से स्थिति का आकलन करते हुए यह सुनिश्चित करने का प्रयास करना चाहिए कि वहाँ के नागरिकों को वही अधिकार और सम्मान मिले, जो किसी भी लोकतांत्रिक समाज के नागरिकों का स्वाभाविक अधिकार है। दुनिया की आँखें अब इस ओर खुलनी चाहिए, क्योंकि जहाँ लोकतंत्र कमजोर होता है, वहाँ अंततः पूरी मानवता की नैतिक शक्ति भी कमजोर पड़ती है।

धनौरा तहसील सभागार में उपजिलाधिकारी ने राजस्व निरीक्षकों व लेखपालों संग की बैठक,लंबित कार्यों को लेकर दिए निर्देश

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा तहसील सभागार में उपजिला अधिकारी शैलेश कुमार दुबे ने राजस्व निरीक्षकों एवं लेखपालों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक का आयोजन उपजिलाधिकारी शैलेश कुमार दुबे की अध्यक्षता में कराया गया। जिसमें उपजिला अधिकारी ने विभिन्न राजस्व एवं प्रशासनिक कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों को लंबित कार्यों को शीघ्र निपटाने के कड़े निर्देश दिए। बता दें कि बैठक के दौरान उप जिला अधिकारी ने राजस्व से जुड़े मामलों, नामांतरण, अंश निर्धारण, रोवर नाप, जनगणना की तैयारियों तथा धारा 24 और धारा 116 से संबंधित प्रकरणों की जनता से समीक्षा की इसके अतिरिक्त उन्होंने मत्स्य पालन की प्रगति रिपोर्ट और कई विभागों से प्राप्त आवेदनों और पत्रों पर हुई कार्रवाई की बिंदुवार जानकारी ली। उप जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि वोटर लिस्ट में किसी भी प्रकार की त्रुटि का तत्काल सुधार किया जाए उन्होंने बूंथों के अक्षांश एवं देशांतर की सही फील्डिंग सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। साथ ही उन्होंने 100 साल से अधिक आयु के मतदाताओं का आधार से सत्यापन और वर्तमान और भूतपूर्व जनप्रतिनिधियों के विवरण पर सत्यापन समय पर पूरा करने की बात कही, ताकि मतदाता सूची पारदर्शी और सटीक बन सके। आगामी जनगणना को लेकर भी उन्होंने वहां उपस्थित संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। एसडीएम ने सभी लेखपालों और राजस्व निरीक्षकों को स्पष्ट किया कि प्रशासनिक और जनहित से जुड़े कार्यों में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी उन्होंने समय सीमा के भीतर पारदर्शी तरीके से सभी फाइलों का निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर तहसीलदार मूसाराम थारू, नायाब तहसीलदार राजपाल सिंह, कानूनगो मनोज कुमार ,लेखपाल विकास यादव, रमेश सैनी, इस्तेकर मलिक, अंकुल कुमार, दिनेश कुमार, मोहित चौधरी ,रितु सिद्धू, प्रदीप कुमार ,सचिन सिद्धू ,रोहित यादव ,दीपक कुमार ,अमित कुमार ,निकेश ,अयूब अली ,धनराज, कविता गिल और अमित सहित कई लेखपाल एवं राजस्व कर्मी मौजूद रहे।

यू-डायस+ पोर्टल पर डाटा फीडिंग व अपार आईडी सृजन में लापरवाही, सैकड़ों स्कूलों को नोटिस

अमरोहा (सब का सपना):- सत्र 2026-27 के लिए यू-डायस+ पोर्टल पर कक्षा 1 से 12 तक के 3002 विद्यालयों व मदरसों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं का डाटा अपलोड तथा अपार आईडी जनरेशन का कार्य चल रहा है। शिक्षा मंत्रालय व महानिदेशक स्कूल शिक्षा के बार-बार निर्देशों के बावजूद प्रगति असंतोषजनक है। 486 मदरसों के 23,680 छात्रों में से मात्र 10,070 (43 प्रतिशत), बेसिक शिक्षा विभाग से मान्यता प्राप्त 808 विद्यालयों के 99,169 छात्रों में से 44,449 (45 प्रतिशत), 355 इण्टर कॉलेजों के 1,28,892 छात्रों में से 71,245 (55 प्रतिशत), 54 सहायता प्राप्त विद्यालयों के 25,690 छात्रों में से 19,824 (78 प्रतिशत) तथा 1,266 परिषदीय विद्यालयों के 79,163 छात्रों में से 68,171 (86 प्रतिशत) अपार आईडी ही जनरेट हो सकी हैं। 3 अगस्त 2026 को 559 मान्यता प्राप्त विद्यालयों व 374 मदरसों को अपार आईडी कार्य अधूरा छोड़ने पर नोटिस जारी किया गया। लगभग चार माह से चल रहे इस कार्य में स्कूलों की लापरवाही सामने आई है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने संबंधित विद्यालयों को सात दिनों में डाटा फीड व अपार आईडी शत-प्रतिशत पूरा करने का निर्देश दिया है। नहीं करने पर मान्यता प्रत्याहरण व यू-डायस कोड निरस्त करने की कार्रवाई की जाएगी। अपार आईडी से छात्रों के शैक्षिक अभिलेख डिजिटल सुरक्षित रहते हैं तथा डिजीलॉकर से आसानी से उपलब्ध होते हैं। इसके अलावा सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली का उल्लंघन, विभागीय कार्यों में रुचि न लेने व कर्तव्यों का निर्वहन न करने के आरोप में इंस्ट्रक्टर इकबाल सिंह (संविवि तोमडा, ब्लॉक धनौरा) तथा कार्यालय सहायक राहुल कुमार (खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय, गंगेश्वरी) को निलंबित कर दिया गया है।

अमरोहा के छात्र ने देहरादून में किया जिले का नाम रोशन, ओपन नेशनल चैंपियनशिप में किया शानदार प्रदर्शन

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला ब्लॉक क्षेत्र के रहने वाले एक होनहार छात्र ने देहरादून में अपने जिले के प्रति एक गौरवपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। जिसने देहरादून में आयोजित 'ओपन नेशनल चैंपियनशिप' में शानदार प्रदर्शन करते हुए बाजी मारी है और अगले चरण के लिए क्वालीफाई कर अपने विद्यालय और जनपद का नाम रोशन किया है।

बता दें कि जनपद के ब्लॉक क्षेत्र गजरौला स्थित जे वी इंटरनेशनल स्कूल में पढ़ने वाले होनहार छात्र दक्ष चौधरी पुत्र अनुज चौधरी ने देहरादून में आयोजित 'ओपन नेशनल चैंपियनशिप' में शानदार प्रदर्शन करते हुए अगले चरण के लिए क्वालीफाई कर विद्यालय ,गजरौला तथा जनपद का नाम रोशन किया है। यह सफलता उनके कठिन परिश्रम अनुशासन एवं समर्पण का परिणाम है।

दक्ष चौधरी ने कोच अनुज चौधरी के मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए इस उपलब्धि को हासिल किया है विद्यालय परिवार ने दक्ष चौधरी और उनके कोच अनुज चौधरी को इस उल्लेखनीय सफलता पर हार्दिक बधाई एवं उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं है और विश्वास जताया है कि वह आने वाले समय में भी राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले और प्रदेश का गौरव बढ़ाते रहेंगे।

यूपी में 'सीएम किसान कल्याण योजना' शुरू करेगी योगी सरकार, एग्रीकल्चर के लिए 232.38 करोड़ रुपये मंजूर

लखनऊ। योगी सरकार ने अनुपूरक बजट में भी खेती और किसानी पर फोकस बरकरार रखा है। अनुपूरक बजट में 232.38 करोड़ रुपये के प्रविधान किया गया है, जिसमें दो नई योजनाओं के लिए भी धनराशि की व्यवस्था की गई है। नई योजनाओं में शामिल मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के लिए किया गया 20 करोड़ रुपये और सरदार बल्लभ भाई पटेल एग्री-इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन योजना को मिले 50 करोड़ रुपये दिए गए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व में किसानों की सहायता के लिए सरदार बल्लभ भाई पटेल एग्री-इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन योजना करने की घोषणा की थी। इसके तहत निजी क्षेत्र के माध्यम से कृषि उपज की सार्टिंग और ग्रेडिंग के लिए सेंटर स्थापित किए जाएंगे। उपज को रखने के लिए गोदाम और शीतगृहों की स्थापना कराई जाएगी। कार्ययोजना तैयार करेगा विभाग इन सुविधाओं के विकास के लिए निजी क्षेत्र को वायबिलिटी गैप फंडिंग (व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण) दी जाएगी। वहीं मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना में किसानों के लिए कृषि निवेश आदि के लिए अनुदान की व्यवस्था की जाएगी। इन दोनों योजनाओं के लिए विभाग कार्ययोजना तैयार करेगा। किसानों को वर्मी कंपोस्ट,कंपोस्ट, जैव उर्वरक को अनुदान पर उपलब्ध कराने की योजना के लिए 50 करोड़ रुपये का प्रविधान किया गया है। अनुपूरक बजट में खाद्यान्न, दलहन, तिलहन बीज की लागत और प्रासंगिक व्यय के लिए 150 करोड़ रुपये, प्रमाणित बीजों पर अनुदान योजना के लिए 20 करोड़ रुपये, प्रयोगात्मक प्रक्षेत्र प्रदर्शन और बीज प्रक्षेत्र योजना के लिए 10 करोड़ रुपये और कृषि विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों व उपकार में उपकरणों आदि के लिए नौ करोड़ रुपये की अतिरिक्त व्यवस्था की गई है। इनके अलावा नेशनल मिशन आन एडिबल आयल (आयल सीड्स) योजना के लिए 19.32 लाख रुपये और उर्वरक, बीज व कीटनाशक के नमूनों के विश्लेषण को प्रयोगशाला की स्थापना के लिए

'चंदा चोर, गद्दी छोड़' के नारे पर भड़के सतीश महाना, बोले- चंदा दिया हो तो रसीद दिखाओ; सपा विधायक को विधानसभा से निकाला बाहर

लखनऊ। यूपी विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन भी विपक्ष का हंगामा जारी रहा। सपा विधायकों और विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के बीच तीखी बहस देखने को मिली। विपक्षी सदस्यों के नारों और आरोपों पर अध्यक्ष सतीश महाना सदन ने सपा विधायक सचिन यादव को पूरे सत्र से निष्कासित कर दिया। दरअसल, सपा विधायकों ने जब "चंदा चोर गद्दी छोड़" के नारे लगाए, तो स्पीकर महाना ने पलटवार करते हुए कहा, "आप लोगों में से किसी ने चंदा दिया हो तो रसीद लेकर आ जाओ, जरा देखें तो सही आपका कौन सा पैसा चोरी हुआ है।" सपा विधायक अनिल प्रधान द्वारा भाजपा दफ्तर को लेकर किए गए कटाक्ष पर स्पीकर ने कहा, "अनिल प्रधान, तुम तो पैदा भी नहीं हुए थे, जब मंदिर बना था।" जब सपा विधायकों ने कहा कि 'NEET का पेपर BJP दफ्तर में मिलेगा', तो सतीश महाना ने जवाब दिया, "मैं बताता हूं कहां मिलेगा...जिस समय छद्मवेष को निकाल दिया जाएगा, तो जो देश की संसद के बाहर मिला, वो वहीं मिलेगा।" इस बीच सपा विधायक सचिन यादव सीएम योगी का फोटो लहरा रहे थे। ऐसे में सतीश महाना ने उन्हें पूरे सत्र से निष्कासित कर दिया।

डिडौली में मेरठ के युवक से धोखाधड़ी व फर्जी दस्तावेज बनाने के आरोप में शिक्षिका समेत 7 पर केस दर्ज

कोतवाली डिडौली
जनपद-अमरोहा (उ.प्र.)
फोन. नं : 9454403673

डिडौली/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के डिडौली कोतवाली में मेरठ के एक युवक से धोखाधड़ी करने एवं फर्जी दस्तावेज बनाने की आरोप में शिक्षिका समेत 7 लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस द्वारा इस कार्यवाही को मेरठ के रहने वाले एक युवक की शिकायत पर न्यायालय के आदेश पर किया गया है। इस मामले में आरोपियों पर फर्जी दस्तावेज तैयार कर धोखाधड़ी करने, रुपए हड़पने, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के भी आरोप है जिसमें जिसमें पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी है। बता दें कि मेरठ के विकास नगर नई बस्ती लल्लापुर निवासी विवेक कुमार ने शिकायत दर्ज कराई है। उनके अनुसार, मार्च 2024 में सोशल मीडिया के माध्यम से उनका परिचय कंचन नामक महिला से हुआ था। महिला ने खुद को पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय इंटर कॉलेज बुढ़नपुर की अध्यापिका बताया और बाद में अमरोहा के राजकीय इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्य होने का दावा किया। विश्वास दिलाने के लिए उसने प्रधानाचार्य के नाम और हस्ताक्षर वाला लेटरहेड भी भेजा।विवेक का आरोप है कि इसके बाद महिला ने उनके साथ एक संयुक्त बैंक खाता खुलवाया और विभिन्न बहानों से लाखों रुपये ले लिए। बाद में विवेक को पता चला कि कंचन प्रधानाचार्य नहीं, बल्कि केवल एक प्रवक्ता है। विवेक ने यह भी आरोप लगाया है कि कंचन ने अपने परिजनों और अन्य लोगों के साथ मिलकर फर्जी दस्तावेज तैयार किए और सोशल मीडिया के माध्यम से कई लोगों को झांसा देकर धन वसूला।विवेक ने इस संबंध में डीआईओएस समेत अन्य अधिकारियों से शिकायत की थी। उनका आरोप है कि 4 मई को जब उन्हें बयान दर्ज कराने के लिए कॉलेज बुलाया गया,

तो कॉलेज के बाहर आरोपियों ने उनके साथ मारपीट की और शिकायत वापस न लेने पर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई न होने पर विवेक ने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया।सीओ सिटी डॉ. प्रदीप कुमार ने बताया कि न्यायालय के आदेश पर शिक्षिका कंचन, बीना राजपूत, धर्मपाल सिंह, सुनीता चौधरी, अलीशा और दो अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रजबपुर क्षेत्र में कार ने बाइक को मारी टक्कर, हादसे में डिडौली के युवक की मौत

रजबपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के रजबपुर थाना क्षेत्र में एक बाइक सवार युवक को एक कार ने जोरदार टक्कर मार दी जिससे बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। बाइक सवार युवक घर से काम पर निकला था जो डिडौली थाना क्षेत्र स्थित सीएल गुप्ता फैक्ट्री में काम करता था। राहगीरों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बता दें कि डिडौली थाना क्षेत्र के पतेई खालसा गांव में किराए के मकान में रहने वाले 25 वर्षीय मजदूर विकास की सोमवार सुबह सड़क हादसे में मृत्यु हो गई। विकास सीएल गुप्ता फैक्ट्री में काम पर जाने के लिए घर से निकला था।मामले में प्राप्त जानकारी के के मुताबिक विकास अपनी बाइक से जा रहा था। रजबपुर थाना क्षेत्र में वेंकटेश्वरा यूनिवर्सिटी के पास सामने से आ रही एक कार ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि विकास ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।विकास मजदूरी करके अपने परिवार का पालन-पोषण करता था। वह मूल रूप से पतेई खालसा गांव का निवासी था और किराए के मकान में रहकर सीएल गुप्ता फैक्ट्री में काम करता था।राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।पोस्टमार्टम के बाद सोमवार शाम तिगरी गंगाधाम में विकास का अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में ग्रामीण और परिचित शामिल हुए। परिवार के सदस्यों का दुखद स्थिति में है। विकास की पत्नी शिवानी का भी बुरा हाल है।रजबपुर थानाध्यक्ष विकास कुमार ने बताया कि इस मामले में अभी तक कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर मिलने पर कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

चेहल्लुम पर अजादारों ने किया जंजीरों का मातम

जुलूस में शामिल रहे ताजिये, अंजुमनो ने किया मातम

अमरोहा (सब का सपना):- शहर में हजरत इमाम हुसैन के चेहल्लुम पर अजादारों ने जंजीर का मातम कर खुद को लहूलुहान कर लिया। अजाखानों से गमगीन माहौल में ताबूत भी बरामद हुए। फिजा में लब्बैक या हुसैन की सदाएं सुनाई दीं। जुलूस ने अपने निर्धारित रास्तों से होकर निकला। मातमी अंजुमन जुलूस में नौहा पढ़ती हुई चल रही थीं। दूसरा जुलूस सुबह आठ बजे बड़ा इमामबाड़ा मोहल्ला दानिशमंदान से निकला। ताजियों का जुलूस रेलवे लाइन पार सुबोध नगर स्थित कर्बला पहुंचा। वहीं, मोहल्ला मंडी चौब स्थित सिब्तैन मंजिल से ताजिए का जुलूस निकला, जो दरबार-ए-कलां होता हुआ सबसे पहले मोहल्ला छेवड़ा पहुंचा। यहां से छेवड़े के ताजिए के साथ कटरा गुलाम अली में आकर मुख्य जुलूस में शामिल हो गया। सुबह अजाखाना बगला से चेहल्लुम का मुख्य जुलूस बरामद हुआ। जुलूस में ताजिए निकालें गए। जुलूस कोट चौराहा, चाहगोरी, शफातपोता, कटरा, गुजरी, त्रिपोलिया, नौबतखाना, जाफरी, नवघेर करम अली खां, लकड़ा होता हुआ बिजनौर रोड स्थित कर्बला में जाकर संपन्न हुआ। यहां मरसिया पढ़ा गया। जुलूस में दूसरों मोहल्लों से लगभग तीस ताजिए शामिल थे। अंजुमने अब्बासिया की ओर से बाजार गुजरी और नौबतखाना में जंजीर का मातम किया। फिजा में या हुसैन या हुसैन की सदाएं गूंजती रहीं। शहर के मर्सिया खान हसन इमाम,सिब्ते सज्जाद,मुदस्सिर अली खान, मोहम्मद अली अफजाल, तबारक अली, महताब हसनैन, आसिफ निसार आदि ने छुन्नू लाल दिलगीर का मशहूर मरसिया...कैद से छूटकर जब सैय्यदे सज्जाद आए...पढ़ा। काजीगली स्थित अजाखाना मुसम्मात छज्जी में ताजिया उठाया गया। जो मोहल्ला जाफरी में जुलूस में शामिल हुआ। जुलूस का संचालन अंजुमन रजाकाराने हुसैनी ने किया। इस दौरान रजाकारान के काईद शाने मुज्तबा,जनरल सेक्रेटरी खुरशीद हैदर जैदी, नायब काईद शिराज गालिब,गुलाम सज्जाद, सैयद मुज्तबा,रजा शमीम,इमदाद आब्दी, डॉ. चंदन नकवी, वसीम जैदी, मोहम्मद तकी हसन काजिम , हुसैन अब्बास संचालन कर रहे थे वहीं व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिलाधिकारी (DM) द्वारा मनोनीत की गई विशेष कमेटी के सदस्य ज़िया एजाज, लियाकत अली, बाकर रजा नकवी,नदीम नकवी, शहजाद रजा, कासिम जैदी भी लगातार जुलूस की निगरानी करते नजर आए।

अधिशासी अधिकारी ने संभव दिवस में की जनसुनवाई

SAMBHAV
संभव
जन सु
कार्यालय नगर पालिका

अमरोहा (सब का सपना):- शहर की नगर पालिका अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार द्वारा जनसुनवाई की गयी। जिसमे सडक निर्माण, सफाई, पेयजलापूर्ति, अतिक्रमण,जन्म पंजीकरण,पथ प्रकाश से संबंधित कुल 8 शिकायते प्राप्त हुई जिसके तत्काल निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारी / पटल सहायको को अधिशासी अधिकारी द्वारा आदेशित किया गया। उल्लेखनीय है की पालिका अधिशासी अधिकारी द्वारा अधीनस्थ पालिका अधिकारियो / कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं की कार्यालय आने वाले किसी भी फरियादि को बेरंग ना लौटाया जाये, उनकी समस्या को सुनकर उसका तत्काल निस्तारण कराया जाये, कार्य को अनावश्यक विलंबित करने अथवा कार्य निर्धारित समयन्तार्गत शिकायत का निस्तारण न करने वाले कार्मिको के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी।

सितंबर से नवंबर तक हर हाल में पूरी हों निमार्णाधीन परियोजनाएं, लापरवाही बर्दाश्त नहीं:- डीएम

बहजोई/संभल (सब का सपना):- जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद की विभिन्न निमार्णाधीन परियोजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी अनार सिंह ने विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति से संबंधित एजेंडा बिंदुओं की जानकारी प्रस्तुत की। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए कार्यदायी संस्थाओं को निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने सीएमआईएस पोर्टल पर निर्माण कार्यों की धीमी फीडिंग पर नाराजगी जताते हुए कहा कि सभी लंबित परियोजनाओं का विवरण तत्काल पोर्टल पर अपलोड किया जाए। उन्होंने यूपी प्रोजेक्ट्स कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा निमार्णाधीन कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास तथा लोक निर्माण विभाग की विभिन्न परियोजनाओं की भी समीक्षा की। जिलाधिकारी ने जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी को निर्देशित किया कि आगामी बैठक में प्रत्येक परियोजना की स्वीकृति, टेंडर, भौतिक एवं वित्तीय प्रगति तथा कार्य में आ रही बाधाओं का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया जाए। बैठक में 50 शैय्या एकीकृत आयुष चिकित्सालय भरतरा (बहजोई) तथा निमार्णाधीन स्पोर्ट्स स्टेडियम की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने स्टेडियम का निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज (राजपुर), जूनियर हाईस्कूल कैलादेवी के उच्चीकरण, आनंदपुर में ग्रामीण स्टेडियम एवं ओपन जिम, कलेक्ट्रेट अनावासीय भवन, नमामि गंगे यूनिट, बहजोई जलापूर्ति योजना, चंदौसी एवं संभल के पायलट प्रोजेक्ट सहित विभिन्न निर्माण कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सभी कार्यदायी संस्थाओं को आगामी बैठक में प्रत्येक परियोजना का ढएफ्ळ चार्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए, ताकि कार्यों की समयबद्ध समीक्षा की जा सके। साथ ही सेतु निगम द्वारा चंदौसी में निमार्णाधीन उपरिगामी सेतु तथा मंडी परिषद के निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की गई। बैठक में निमार्णाधीन पुलिस लाइन, बहजोई में 100 शैय्या चिकित्सालय, होमगार्ड्स जिला कार्यालय, प्लेज पार्क, चंदौसी तहसील निरीक्षण भवन, मुरादाबाद-गवां-बुलंदशहर मार्ग एवं बिलारी-जरगांव-चंदौसी मार्ग के चौड़ीकरण, खिरनी तिराहा सुधार कार्य, मध्य गंगा नहर परियोजना (द्वितीय चरण) तथा एआरटीओ कार्यालय निर्माण समेत कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की प्रगति पर भी चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि अंतिम चरण में पहुंच चुकी सभी परियोजनाएं सितंबर से नवंबर के बीच हर हाल में पूर्ण कराई जाएं। यदि किसी परियोजना में बिजली, भूमि या अन्य कारणों से बाधा है तो उसकी सूचना तत्काल उपलब्ध कराई जाए, ताकि समय रहते समाधान कराया जा सके। उन्होंने कहा कि बिना उचित कारण कोई भी निर्माण कार्य लंबित नहीं रहना चाहिए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी अनार सिंह, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग सुनील प्रकाश, अधिशासी अभियंता सिंचाई विभाग राजीव कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पीडीए सम्मेलन आयोजित, अखिलेश यादव को फिर मुख्यमंत्री बनाने का लिया संकल्प

3 August 2026 at 1:22 pm

PDA पंचायत
3 August 2026 at 5:57 pm

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशानुसार मंगलवार को चंदौसी विधानसभा क्षेत्र के बनियाखेड़ा में पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में बड़ी संख्या में पिछड़ा, दलित एवं अल्पसंख्यक वर्ग के कार्यकताओं, बूथ, सेक्टर व जोन स्तर के पदाधिकारियों तथा क्षेत्रीय लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व मंत्री रमेश प्रजापति रहे। उनके साथ गौतमबुद्ध नगर के पिछड़ा वर्ग जिलाध्यक्ष अनिल प्रजापति तथा मेरठ के जिला सचिव नीटू प्रजापति भी मौजूद रहे। पार्टी कार्यकताओं ने सभी अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरूआत महाराजा दक्ष प्रजापति एवं भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। मुख्य अतिथि रमेश प्रजापति ने अपने संबोधन में कहा कि प्रजापति समाज मेहनतकश और सरल स्वभाव का समाज है। उन्होंने दावा किया कि समाजवादी पार्टी की सरकार में प्रजापति समाज के उत्थान के लिए अनेक ऐतिहासिक कार्य किए गए। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव के नेतृत्व में कारीगरों को रोजगार, आवास, छात्रवृत्ति, कन्या विद्याधन, लैपटॉप वितरण सहित कई जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिला। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए पीडीए की एकजुटता को और मजबूत करें तथा गांव-गांव जाकर पार्टी की नीतियों और भाजपा सरकार की कथित नाकामियों को जनता तक पहुंचाएं। सम्मेलन के बाद पूर्व मंत्री रमेश प्रजापति का फरीदपुर खास में सतराम प्रजापति के आवास पर भी स्वागत किया गया। जिलाध्यक्ष असगर अली अंसारी ने कहा कि सभी कार्यकर्ता वर्ष 2027 में अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प लें। उन्होंने विश्वास जताया कि चंदौसी विधानसभा से पीडीए की मजबूत शुरूआत होगी और पार्टी ऐतिहासिक जीत दर्ज करेगी। जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र के सभी कार्यकर्ता अभी से चुनावी तैयारी में जुट जाएं और घर-घर जाकर नए मतदाता बनाने का कार्य करें। वहीं विमलेश कुमारी ने प्रदेश सरकार पर कार्यकताओं और आम जनता के उत्पीड़न का आरोप लगाया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष असगर अली अंसारी ने की, जबकि संचालन पिछड़ा वर्ग के जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश प्रजापति ने किया। इस अवसर पर प्रो. रामचंद्र प्रजापति, उमेश यादव, बलवंत सिंह, उमेश दिवाकर, श्यामपाल सिंह प्रजापति, कपिल प्रजापति, हिमाचल प्रजापति, मानकौर प्रजापति, डॉ. कुमारपाल प्रजापति, प्रेमचंद प्रजापति, लेखराज प्रजापति, महेंद्र प्रजापति, चंद्रपाल प्रजापति, प्रदेश सचिव पूरणमल मौर्य, लड्डन मियां, काके चेयरमैन, कामरेड रेवाराम, मास्टर आकिल, गुलशन राय, फखरे आलम, सूरज यादव, चौधरी मनवीर सिंह, सुमित यादव, के.पी. अनिल मौर्य, पप्पू यादव, सुभाष पाल, राजेश कुमारी, दुर्गेश दिवाकर, मोहसिन खान, रियासत भाई, भारत सिंह यादव, मुकेश यादव, डॉ. होराम सिंह, नेताजी, चरक सिंह, सोनू पाल, महेश मौर्य, हरिओम मौर्य, सत्यवीर सिंह लोधी, सोनू सिंह लोधी, वीरपाल सिंह लोधी, सोनू कुमार लोधी, मुकेश कुमार लोधी सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

6 अगस्त को लगेगा दिव्यांगजन रोजगार एवं स्वरोजगार मेला

रोजगार, स्वरोजगार, ऋण और सरकारी योजनाओं की मिलेगी जानकारी, आत्मनिर्भर बनने का मिलेगा अवसर

चन्दौसी/संभल (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी पहल दिव्यांगजन रोजगार अभियान-3.0 के तहत जनपद सम्भल के दिव्यांगजनों को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से 6 अगस्त को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), चन्दौसी में दिव्यांगजन रोजगार एवं स्वरोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगजनों को उनकी योग्यता, रुचि एवं कौशल के अनुरूप रोजगार, स्वरोजगार, कौशल विकास तथा वित्तीय सहायता के अवसर उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। मेले में जिला सेवायोजन अधिकारी, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, जिला उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन केन्द्र तथा लीड बैंक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं प्रतिनिधि मौजूद रहेंगे। सेवायोजन विभाग रोजगार के अवसरों एवं उपलब्ध रिक्तियों की जानकारी देगा, जबकि दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग अपनी विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराएगा। उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन केन्द्र स्वरोजगार एवं उद्यमिता योजनाओं की जानकारी देगा और बैंक प्रतिनिधि ऋण एवं वित्तीय सहायता से संबंधित मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। मेले में आने वाले दिव्यांगजनों को रोजगार प्राप्त करने के साथ-साथ स्वयं का व्यवसाय शुरू करने के लिए आवश्यक जानकारी, परामर्श एवं सहयोग भी उपलब्ध कराया जाएगा। विभिन्न सरकारी योजनाओं, ऋण सुविधाओं और स्वरोजगार कार्यक्रमों की जानकारी सीधे संबंधित अधिकारियों से प्राप्त की जा सकेगी।

जिला प्रशासन ने जनपद के सभी रोजगार के इच्छुक दिव्यांगजनों से अपील की है कि वे 6 अगस्त को अधिक से अधिक संख्या में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, चन्दौसी पहुंचकर इस महत्वपूर्ण मेले का लाभ उठाएं। यह मेला केवल रोजगार का अवसर नहीं, बल्कि दिव्यांगजनों के हुनर को पहचान दिलाने, आत्मनिर्भर बनने और अपने सपनों को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

दिल दहला देने वाला हादसा, बस के नीचे आया स्कूटर सवार, तस्वीरें देख हर कोई रह गया हैरान

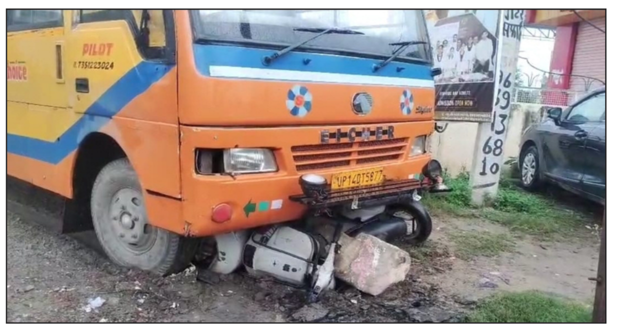

हयातनगर/संभल(सब का सपना):- थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। संभल की ओर से तेज रफ्तार में आ रहे एक कैंटर के कारण एक बस का संतुलन बिगड़ गया और बस अनियंत्रित होकर सड़क पर जा रहे स्कूटर सवार पर चढ़ गई। हादसा थाना हयातनगर से पहले नीलांशु पेट्रोल पंप के पास हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कैंटर की तेज रफ्तार के चलते बस चालक ने वाहन को संभालने का प्रयास किया, लेकिन बस का संतुलन बिगड़ गया और वह सीधे स्कूटर सवार से जा टकराई। दुर्घटना इतनी भयावह थी कि घटनास्थल की तस्वीरें देखकर किसी को भी यही लगे कि स्कूटर सवार का बचना संभव नहीं होगा। लेकिन किस्मत ने उसका साथ दिया और वह बाल-बाल बच गया। हादसे में स्कूटर सवार को केवल मामूली चोटें आईं। स्थानीय लोगों ने तत्काल उसकी मदद की और सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी जुटाई। हादसे के चलते कुछ समय तक यातायात बाधित रहा, जिसे बाद में पुलिस ने सामान्य कराया। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर भारी वाहनों की तेज रफ्तार के कारण आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। उन्होंने प्रशासन से इस क्षेत्र में गति नियंत्रण के लिए प्रभावी कदम उठाने और नियमित निगरानी की मांग की है। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। यदि बस की रफ्तार अधिक होती या आसपास अधिक लोग मौजूद होते तो यह दुर्घटना कहीं अधिक गंभीर रूप ले सकती थी।

भारत-अमेरिका व्यापार मसौदे के विरोध में उतरा किसान संगठन

किसानों ने गांव-गांव जनजागरण और आंदोलन तेज करने का लिया संकल्प

ऑल इण्डिया किसान खेत मजदूर संगठन
AIKKMS

संभल (सब का सपना):- जनपद के नहर करीमपुर चौराहा पर मंगलवार को ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन (AIKKMS) की जिला कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में भारत-अमेरिका प्रस्तावित व्यापार मसौदे का विरोध करते हुए किसानों और खेत मजदूरों के हितों की रक्षा के लिए आगामी रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। संगठन ने गांव-गांव जनजागरण अभियान चलाने तथा आंदोलन को तेज करने का संकल्प लिया। बैठक में निर्णय लिया गया कि संगठन का 11 अगस्त को प्रस्तावित जेल भरो आंदोलन महाशिवरात्रि पर्व के कारण स्थगित कर दिया गया है। हालांकि संगठन ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय स्तर पर तय होने वाली नई रणनीति के अनुसार संभल जिला कमेटी पूरी सक्रियता के साथ आंदोलन को आगे बढ़ाएगी। जिला अध्यक्ष सोमपाल सिंह ने आरोप लगाया कि यदि भारत-अमेरिका व्यापार मसौदे पर हस्ताक्षर किए जाते हैं तो इसका सबसे अधिक नुकसान देश के किसानों को उठाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि इससे फसल, फल, दाल, तेल एवं तिलहन जैसी कृषि उपज प्रभावित होगी और किसान आर्थिक रूप से कमजोर होंगे। उन्होंने इसे किसानों के हितों के खिलाफ बताते हुए कहा कि ऐसी नीतियां देश को आर्थिक रूप से कमजोर कर सकती हैं। जिला कार्यकारिणी अध्यक्ष भगवान सिंह ने कहा कि भारत के हितों के विरुद्ध किसी भी व्यापार मसौदे को संगठन स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि किसानों और खेत मजदूरों को जागरूक करने के लिए गांव-गांव अभियान चलाया जाएगा और जरूरत पड़ने पर व्यापक आंदोलन किया जाएगा। बैठक को संबोधित करते हुए विजयपाल सिंह ने केंद्र सरकार पर किसानों की समस्याओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि किसानों की आय और कृषि क्षेत्र को मजबूत करने के बजाय ऐसी नीतियां अपनाई जा रही हैं,

जिनका प्रतिकूल प्रभाव कृषि पर पड़ सकता है। बैठक में संजय राघव, दिनेश गुरुजी, तेजपाल सिंह, उदयवीर सिंह, विजयपाल सिंह, रजनेश, वीरभान, अमर सिंह, वीरपाल, नाथू सिंह सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राशन वितरण में लापरवाही पर जिलाधिकारी के सख्त निर्देश

समय पर खाद्यान्न न पहुंचाने वाले ठेकेदारों को नोटिस, जवाब न मिलने पर ब्लैकलिस्ट की चेतावनी

बहजोई/संभल (सब का सपना):- जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय सतर्कता समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सार्वजनिक वितरण प्रणाली, खाद्यान्न परिवहन, अन्नपूर्णा भवनों के निर्माण तथा राशन वितरण व्यवस्था की विस्तार से समीक्षा की गई। जिला पूर्ति अधिकारी शिवि गर्ग ने एजेंडा बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। बैठक में जिलाधिकारी ने उचित दर की दुकानों तक खाद्यान्न के समयबद्ध उठान एवं वितरण की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि खाद्यान्न परिवहन ठेकेदारों को डिस्पैच होने के 24 घंटे के भीतर उचित दर विक्रेता तक खाद्यान्न पहुंचाना होता है और विशेष परिस्थितियों में अधिकतम 48 घंटे के भीतर ई-पॉस मशीन के माध्यम से रिसीविंग सुनिश्चित की जाती है। जिलाधिकारी ने उन क्षेत्रों की जानकारी ली जहां संकरी गलियों के कारण बड़े वाहनों का पहुंचना संभव नहीं है। इस पर जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि ऐसे स्थानों पर छोटे वाहनों की व्यवस्था कर समय से खाद्यान्न पहुंचाने का प्रावधान किया गया है। जिलाधिकारी ने परिवहन ठेकेदारों के रूट चार्ट की भी समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्धारित समय में राशन दुकानों तक खाद्यान्न न पहुंचाने वाले परिवहन ठेकेदारों को तत्काल कारण बताओ नोटिस जारी किया जाए। यदि संतोषजनक जवाब प्राप्त नहीं होता है तो नियमानुसार संबंधित संस्था के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए उसे ब्लैकलिस्ट करने की प्रक्रिया भी शुरू की जाए। बैठक में निमार्णाधीन अन्नपूर्णा भवनों की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने पूर्ण हो चुके भवनों की गुणवत्ता की जांच कराने के निर्देश दिए। साथ ही मनरेगा के अंतर्गत निर्मित अन्नपूर्णा भवनों एवं वित्तीय वर्ष 2023-24, 2024-25 तथा 2025-26 में स्वीकृत होकर भी प्रारंभ न हुए कार्यों की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने जिला विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि मनरेगा के अंतर्गत संचालित कार्यों की नियमित समीक्षा की जाए तथा लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में उचित दर की दुकानों के प्रस्ताव, निलंबित राशन दुकानों तथा खाद्यान्न वितरण व्यवस्था से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, जिला विकास अधिकारी राम आशीष, जिला पूर्ति अधिकारी शिवि गर्ग, समस्त पूर्ति निरीक्षक तथा संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

नगर पालिका संभल को श्रेणी-एक में बहाल करने की उठाई मांग

संभल (सब का सपना):- नगर पालिका परिषद संभल को श्रेणी-एक से हटाकर श्रेणी-तीन का दर्जा दिए जाने पर नाराजगी जताते हुए भारतीय इतिहास संकलन समिति का एक प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को उप जिलाधिकारी विकास चंद्र से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने नगर पालिका परिषद को पुनः श्रेणी-एक का दर्जा दिलाने के लिए शासन स्तर पर प्रभावी पैरवी किए जाने की मांग की। समिति के जिलाध्यक्ष अजय कुमार शर्मा ने कहा कि संभल क्षेत्र की जनता को उम्मीद थी कि नगर के बाहरी मोहल्लों और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों को नगर पालिका परिषद में शामिल कर भविष्य में संभल को नगर निगम का दर्जा दिलाने की दिशा में पहल की जाएगी। इसके विपरीत शासन द्वारा नगर पालिका परिषद को श्रेणी-एक से हटाकर श्रेणी-तीन में शामिल कर दिया गया, जिससे लोगों में नाराजगी है। उन्होंने मांग की कि नगर पालिका परिषद बोर्ड से परिषद को पुनः श्रेणी-एक में शामिल करने का प्रस्ताव पारित कराया जाए तथा जिलाधिकारी के माध्यम से शासन को सकारात्मक आख्या भेजकर संभल के हित में उचित पैरवी की जाए। बैठक के दौरान रेखा शर्मा ने मोहल्ला शहजादी सराय एवं आलम सराय के नाम क्रमशः महदगिरि और पिंगल सराय किए जाने की मांग उठाई। वहीं अरविंद शंकर शुक्ला ने कोट पूर्वी रामलीला मैदान स्थित कोटेश्वर महादेव मंदिर के जीर्णोद्धार, सौंदर्यीकरण और बेहतर व्यवस्थाओं के लिए प्रशासनिक सहयोग की मांग की। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने उप जिलाधिकारी विकास चंद्र का शॉल ओढ़ाकर, रामनामी पटका पहनाकर, पुष्पमाला एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया तथा पदभार ग्रहण करने पर शुभकामनाएं दीं। उप जिलाधिकारी विकास चंद्र ने कहा कि तहसील क्षेत्र की जनसमस्याओं का त्वरित समाधान प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने तीर्थ स्थलों, प्राचीन कूपों एवं ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण और बेहतर व्यवस्थाओं के लिए सामाजिक संगठनों से सहयोग की अपेक्षा करते हुए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भारतीय इतिहास संकलन समिति के जिलाध्यक्ष अजय कुमार शर्मा ने तथा संचालन सुबोध कुमार गुप्ता ने किया।

इस दौरान सुभाष चंद्र शर्मा, दुर्वेश सैनी, सत्यवीर सिंह, राजेंद्र सिंह गुर्जर, सुमनलता शर्मा, आशा गुप्ता, राकेश कुमार शर्मा सहित समिति के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बहू-बेटी सम्मेलन में सुरक्षा, स्वावलंबन और हेल्पलाइन नंबरों की दी गई जानकारी

संभल (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के उद्देश्य से संचालित मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के अंतर्गत मंगलवार को पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के निर्देशन में जनपद संभल के विभिन्न थाना क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। मिशन शक्ति टीम में नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों ने बहू-बेटी सम्मेलन के दौरान चौपाल लगाकर महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों और महिला संबंधी समस्याओं के समाधान के बारे में जानकारी दी। इस दौरान महिलाओं से संवाद स्थापित कर उन्हें सुरक्षित एवं सशक्त वातावरण उपलब्ध कराने के लिए जागरूक किया गया। इसके साथ ही मिशन शक्ति 5.0 (द्वितीय चरण) के तहत एंटी रोमियो टीम ने प्रमुख बाजारों, चौराहों, कस्बों, स्कूल-कॉलेजों, धार्मिक स्थलों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर अभियान चलाया। महिला पुलिसकर्मियों ने पंपलेट वितरित कर महिलाओं की सुरक्षा एवं सशक्तिकरण से जुड़ी विभिन्न सरकारी योजनाओं और हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। अभियान के दौरान वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा 102, एम्बुलेंस सेवा 108, महिला हेल्पलाइन 181 तथा साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 सहित अन्य महत्वपूर्ण सेवाओं की जानकारी दी गई।

साथ ही मोबाइल के पैनिक बटन और इमरजेंसी कॉल फीचर का भी प्रदर्शन कर महिलाओं और बालिकाओं को आपातकालीन परिस्थितियों में उसका उपयोग करने का तरीका बताया गया। पुलिस अधिकारियों ने महिलाओं और बालिकाओं से किसी भी प्रकार की समस्या होने पर बिना संकोच हेल्पलाइन नंबरों का उपयोग करने और तत्काल पुलिस से संपर्क करने की अपील की।

5 से 18 अगस्त तक मिलेगा मुफ्त राशन, ई-केवाईसी नहीं कराने वाले लाभार्थी जल्द कराएं प्रक्रिया पूरी

बहजोई/संभल (सब का सपना):- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के तहत माह अगस्त का निःशुल्क राशन वितरण 5 अगस्त से 18 अगस्त तक किया जाएगा। खाद्यायुक्त के निदेशों के अनुपालन में जिले की सभी उचित दर की दुकानों पर पात्र लाभार्थियों को निर्धारित मानक के अनुसार मुफ्त खाद्यान्न वितरित किया जाएगा। अन्त्योदय कार्डधारकों को प्रति कार्ड 35 किलोग्राम खाद्यान्न, जिसमें 21 किलोग्राम गेहूं और 14 किलोग्राम चावल शामिल हैं, निःशुल्क दिया जाएगा। वहीं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को प्रति यूनिट 5 किलोग्राम खाद्यान्न, जिसमें 3 किलोग्राम गेहूं और 2 किलोग्राम चावल शामिल हैं, मुफ्त वितरित किया जाएगा। राशन वितरण के दौरान पोर्टेबिलिटी सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। इसके तहत लाभार्थी अपनी सुविधा अनुसार किसी भी उचित दर की दुकान से खाद्यान्न प्राप्त कर सकेंगे। गेहूं एवं चावल वितरण की अंतिम तिथि 18 अगस्त निर्धारित की गई है। जिला पूर्ति विभाग ने सभी राशन कार्डधारकों से अपील की है कि जिन लाभार्थियों ने अभी तक अपने परिवार के सदस्यों की ई-केवाईसी नहीं कराई है,

वे जल्द से जल्द अपनी नजदीकी उचित दर की दुकान पर जाकर ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूरी करा लें, ताकि भविष्य में उन्हें नियमानुसार खाद्यान्न प्राप्त करने में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

आवारा गोवंश के बछड़े को गुलदार ने बनाया शिकार, ग्रामीणों में दहशत, पिंजरा लगाने की मांग

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- थाना क्षेत्र के ग्राम मलकपुर अब्दुल्ला बदलोनपुर में सोमवार रात गुलदार ने एक आवारा गोवंश (बछड़े) को अपना शिकार बना लिया। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने वन विभाग से गुलदार को पकड़ने के लिए तत्काल पिंजरा लगाए जाने की मांग की है। जानकारी के अनुसार, गांव निवासी वीरेंद्र सिंह प्रधान के खेत के पास एक आवारा गोवंश का बछड़ा चर रहा था। इसी दौरान गन्ने के खेत से निकले गुलदार ने बछड़े पर हमला कर उसे मार डाला और बाद में खेतों की ओर चला गया।

मंगलवार सुबह जब किसान अपने खेतों पर पहुंचे तो उन्होंने बछड़े का शव देखा। गुलदार के हमले की आशंका से घबराए किसान तुरंत वापस लौट आए और अन्य ग्रामीणों को सूचना दी। देखते ही देखते मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई।

घटना की सूचना वन विभाग को दी गई। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और मृत बछड़े को कब्जे में लेकर पशु चिकित्सक की मौजूदगी में आवश्यक कार्रवाई कराई तथा पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कराई। घटना के बाद क्षेत्र के किसानों और ग्रामीणों में भय का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले काफी समय से इलाके में गुलदार की मौजूदगी की सूचना वन विभाग को दी जा रही है, लेकिन अब तक उसे पकड़ने के लिए कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया। ग्रामीण धर्मेंद्र कुमार, जितेंद्र, शाहिद अहमद, पंकज कुमार, सुधीर कुमार, ललित, ज्ञानचंद, रामभरोसे, कल्लू सिंह, मुरारी लाल, बुद्धराम सिंह, मंगल सिंह सहित अन्य लोगों ने वन विभाग से गांव के आसपास पिंजरा लगाकर गुलदार को जल्द पकड़ने की मांग की है। उनका कहना है

कि गुलदार की लगातार गतिविधियों के कारण किसान खेतों पर जाने से डर रहे हैं और जनहानि की आशंका बनी हुई है।

5 अगस्त को नि:शुल्क रक्तदान शिविर का आयोजन

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- समाज सेवा और मानवता के उद्देश्य से 5 अगस्त 2026 (बुधवार) को नगीना स्थित नोबल हॉस्पिटल, रायपुर रोड में निःशुल्क रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। आयोजकों का कहना है कि "आपका एक रक्तदान किसी की जिंदगी बचा सकता है।" रक्तदान को महादान बताते हुए लोगों को इस पुण्य कार्य में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया है। शिविर में 18 से 65 वर्ष आयु के स्वस्थ व्यक्ति रक्तदान कर सकते हैं।

आयोजन का उद्देश्य अस्पतालों में रक्त की उपलब्धता बढ़ाना तथा लोगों में रक्तदान के प्रति जागरूक किया।

यातायात प्रहरियों की मौन मौजूदगी में लखनऊ बाईपास बना ओवरलोड ट्रकों का भी पनाहगाह

ओवरब्रिज के नीचे का नजारा यातायात व चौकी पुलिस की कार्यशैली पर उठ रहे सवाल, पहले बस अब ओवरलोड ट्रक कर रहे नियमो का खुल्लम-खुल्ला उल्लंघन

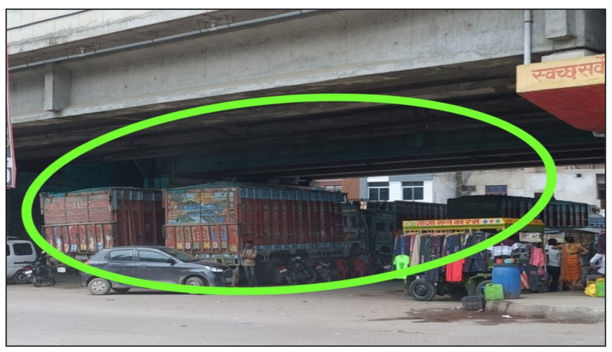

फतेहपुर (सब का सपना):- जनपद में ओवरलोड वाहनों के खिलाफ जिला प्रशासन लगातार अभियान चलाकर कार्रवाई का दावा भले ही कर रहा है, लेकिन शहर के लखनऊ बाईपास ओवरब्रिज के नीचे का नजारा इन दावों की हकीकत सामने ला रहा है। यहां दिनदहाड़े ओवरलोड ट्रक खड़े रहते हैं। मानो यह स्थान भारी वाहनों का अधिकृत पार्किंग स्थल बन गया हो। जबकि लखनऊ बाईपास पर कई दुर्घटनाये पूर्व में घटित हो चुकी है जिसमे कई परिवार हताहत भी हो चुके हैं। जिस स्थान पर चौकी पुलिस और यातायात पुलिस की नियमित निगरानी रहती है, जहाँ सुबह से देर रात तक यातायात कर्मियों की मौजूदगी रहती है। वहां ओवरलोड ट्रको व बसों का डेरा कैसे जमा रहता है? यह लोगों में चर्चा का विषय बना हुआ है। बड़ी बात यह है कि पुलिस की नजर इन वाहनों पर न पड़ना और कार्रवाई का न होना व्यवस्था की निष्पक्षता पर सवाल खड़े करता है। लोगों का कहना है कि यहाँ ओवरलोड ट्रकों व बसों के खड़े रहने से यातायात बाधित होता है। राहगीरों और दोपहिया वाहन चालकों को जोखिम उठाकर निकलना पड़ता है। कई बार जाम की स्थिति बन जाती है जिससे दुर्घटनाओं की आशंका लगातार बनी रहती है। इसके बावजूद जिम्मेदार विभाग यातायात की अनदेखी समझ से परे है। एक ओर शासन और जिला प्रशासन ओवरलोडिंग पर सख्ती के निर्देश जारी कर रहे हैं, कार्रवाई के लिए दिन-रात एक कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर शहर के बीचों-बीच नियमों की खुलेआम अनदेखी कर खड़े ओवरलोड ट्रक प्रशासनिक दावों की पोल खोल रहे है। अब सवाल यह उठता है कि इस ओवरलोड वाहनों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नही, क्या उन्हें खुलेआम संरक्षण मिल रहा है? हालांकि अब निगाहें जिला प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों पर हैं कि वे इस मामले का संज्ञान लेकर जिम्मेदार यातायात विभाग व चौकी पुलिस की जवाबदेही तय करते हैं या फिर लखनऊ ओवरब्रिज के नीचे ओवरलोड ट्रकों व बसों का यह पनाहगाह यूं ही आबाद बना रहेगा?

फतेहपुर मेडिकल कॉलेज की बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था पर भाजपा नेता अजीत कुमार सैनी ने उठाई आवाज

मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत कर उच्चस्तरीय जांच, सीटी स्कैन, अतिरिक्त अल्ट्रासाउंड मशीन सहित मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग

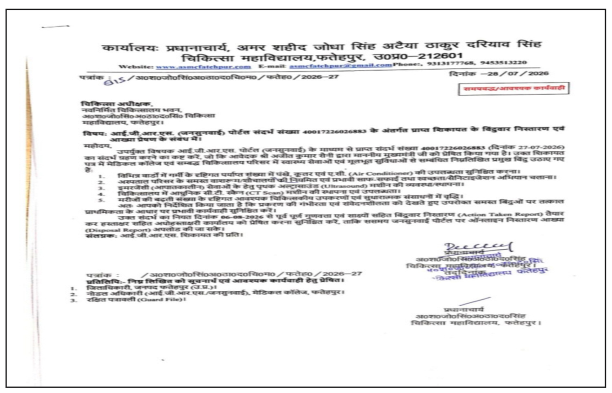

कार्यालयः प्रधानाचार्य, अमर शहीद जोधा सिंह अटैया ठाकुर दरियाव सिंह
चिकित्सा महाविद्यालय,फतेहपुर, उ0प्र0–212601
Website: www.asmcfatehpur.com E-mail: asmcfatehpur@gmail.com Phone:, 9313177768, 9453513220

पत्रांक 615/अ0श0जो0सिं0अ0ठा0द0सिं0चि0म0/फतेह0/2026–27
दिनांक –28/07/2026

समयबद्ध/आवश्यक कार्यवाही

चिकित्सा अधीक्षक,
नवनिर्मित चिकित्सालय भवन,
अ0श0जो0सिं0अ0ठा0द0सिं0 चिकित्सा
महाविद्यालय, फतेहपुर।

विषयः आई.जी.आर.एस. (जनसुनवाई) पोर्टल संदर्भ संख्या 40017226026883 के अंतर्गत प्राप्त शिकायत के बिंदुवार निस्तारण एवं आख्या प्रेषण के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आई.जी.आर.एस. पोर्टल (जनसुनवाई) के माध्यम से प्राप्त संदर्भ संख्या 40017226026883 (दिनांक 27-07-2026) का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जो कि आवेदक श्री अजीत कुमार सैनी द्वारा माननीय मुख्यमंत्री जी को प्रेषित किया गया है। उक्त शिकायत पत्र में मेडिकल कॉलेज एवं सम्बद्ध चिकित्सालय परिसर में स्वास्थ्य सेवाओं एवं मूलभूत सुविधाओं से सम्बंधित निम्नलिखित प्रमुख बिंदु उठाए गए हैं:

1. विभिन्न वार्डों में गर्मी के दृष्टिगत पर्याप्त संख्या में पंखे, कूलर एवं ए.सी. (Air Conditioner) की उपलब्धता सुनिश्चित करना।
2. अस्पताल परिसर के समस्त वाशरूम/शौचालयों की नियमित एवं प्रभावी साफ-सफाई तथा स्वच्छता/सैनिटाइजेशन अभियान चलाना।
3. इमरजेंसी (आपातकालीन) सेवाओं के हेतु पृथक अल्ट्रासाउंड (Ultrasound) मशीन की व्यवस्था/स्थापना।
4. चिकित्सालय में आधुनिक सी.टी. स्कैन (CT Scan) मशीन की स्थापना एवं उपलब्धता।
5. मरीजों की बढ़ती संख्या के दृष्टिगत आवश्यक चिकित्सकीय उपकरणों एवं सुधारात्मक संसाधनों में वृद्धि।

अतः आपको निर्देशित किया जाता है कि प्रकरण की गंभीरता एवं संवेदनशीलता को देखते हुए उपरोक्त समस्त बिंदुओं पर तत्काल प्राथमिकता के आधार पर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करें।

उक्त संदर्भ का नियत दिनांक 06-08-2026 से पूर्व पूर्ण गुणवत्ता एवं साक्ष्यों सहित बिंदुवार निस्तारण (Action Taken Report) तैयार कर हस्ताक्षर सहित अधोहस्ताक्षरी कार्यालय को प्रेषित करना सुनिश्चित करें, ताकि ससमय जनसुनवाई पोर्टल पर ऑनलाइन निस्तारण आख्या (Disposal Report) अपलोड की जा सके।

संलग्नकः आई.जी.आर.एस. शिकायत की प्रति।

प्रधानाचार्य
अ0श0जो0सिं0अ0ठा0द0सिं0
चिकित्सा महाविद्यालय, फतेहपुर।

पत्रांक : /अ0श0जो0सिं0अ0ठा0द0चि0म0/फतेह0/2026–27

प्रतिलिपिः- निम्न लिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
1. जिलाधिकारी, जनपद फतेहपुर (उ.प्र.)।
2. नोडल अधिकारी (आई.जी.आर.एस./जनसुनवाई), मेडिकल कॉलेज, फतेहपुर।
3. रक्षित पत्रावली (Guard File)।

प्रधानाचार्य
अ0श0जो0सिं0अ0ठा0द0सिं0
चिकित्सा महाविद्यालय, फतेहपुर।

फतेहपुर (सब का सपना):- अमर शहीद जोधा सिंह अटैया ठाकुर दरियाव सिंह मेडिकल कॉलेज, फतेहपुर में व्याप्त गंभीर अव्यवस्थाओं, मरीजों को मूलभूत सुविधाओं के अभाव एवं बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला सोशल मीडिया प्रभारी अजीत कुमार सैनी ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से सीएम पोर्टल पर शिकायत कर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। पोर्टल पर की गई शिकायत में उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज वर्तमान में फतेहपुर ही नहीं, बल्कि आसपास के कई जनपदों के लाखों लोगों के उपचार का प्रमुख केंद्र है। इसके बावजूद अस्पताल में मरीजों को आवश्यक सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं, जिससे आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने शिकायत में यह भी कहा कि भीषण गर्मी के बावजूद अस्पताल के कई वार्डों में पर्याप्त संख्या में पंखे, कूलर एवं एयर कंडीशनर उपलब्ध नहीं हैं। गर्मी और उमस के कारण मरीजों की स्थिति और अधिक कष्टदायक हो जाती है। वहीं अस्पताल के अधिकांश वाशरूम एवं शौचालयों में साफ-सफाई की स्थिति अत्यंत दयनीय है। नियमित सफाई के अभाव में गंदगी और दुर्गंध बनी रहती है, जिससे संक्रमण फैलने की आशंका लगातार बनी रहती है। उन्होंने यह भी बताया कि मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज पहुंचते हैं, लेकिन केवल एक अल्ट्रासाउंड मशीन होने के कारण मरीजों को घंटों इंतजार करना पड़ता है। इसके अलावा मेडिकल कॉलेज में सीटी स्कैन मशीन उपलब्ध न होने से गंभीर मरीजों को जांच के लिए जिला अस्पताल (सदर) का सहारा लेना पड़ता है, सदर अस्पताल में पहले से ही वहां के मरीजों की संख्या अधिक रहती है जिससे समय और धन दोनों की हानि होती है तथा गंभीर मरीजों की जान भी जोखिम में पड़ जाती है।मुख्यमंत्री से की गई प्रमुख मांगो में मेडिकल कॉलेज की समस्त व्यवस्थाओं की उच्चस्तरीय जांच कराकर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए। सभी वार्डों में पर्याप्त संख्या में पंखे, कूलर एवं एयर कंडीशनर की तत्काल व्यवस्था कराई जाए। सभी वाशरूम एवं शौचालयों की नियमित एवं प्रभावी साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए। अस्पताल परिसर में विशेष स्वच्छता एवं दुर्गंध नियंत्रण अभियान चलाया जाए। इमरजेंसी में मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए एक अतिरिक्त अल्ट्रासाउंड मशीन उपलब्ध कराई जाए। मेडिकल कॉलेज में सीटी स्कैन मशीन की स्थापना कराई जाए, ताकि मरीजों को बाहर न जाना पड़े। मरीजों एवं उनके परिजनों को बेहतर, सुरक्षित और सम्मानजनक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक संसाधनों एवं चिकित्सकीय व्यवस्थाओं को सुदृढ़ किया जाए। अजीत कुमार सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। ऐसे में फतेहपुर मेडिकल कॉलेज की इन गंभीर समस्याओं का शीघ्र समाधान होना आवश्यक है, ताकि जनपद फतेहपुर एवं आसपास के जनपदों से आने वाले लाखों मरीजों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जनहित के इस महत्वपूर्ण विषय पर शीघ्र संज्ञान लेकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे।

विश्व स्तनपान सप्ताह में आशा कार्यकताओं को दिया वैज्ञानिक प्रशिक्षण

बुलन्दशहर (सब का सपना):- विश्व स्तनपान सप्ताह के तहत कल्याण सिंह राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय के सामुदायिक चिकित्सा विभाग ने सीएचसी शिकारपुर स्थित ग्रामीण स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र (RHTC) में आशा कार्यकताओं को स्तनपान एवं शिशु पोषण पर वैज्ञानिक प्रशिक्षण दिया। विशेषज्ञों ने जन्म के प्रथम घंटे में स्तनपान, छह माह तक केवल माँ का दूध, पूरक आहार, टीकाकरण एवं स्तनपान से जुड़े मिथकों के वैज्ञानिक समाधान की जानकारी दी। प्राचार्य प्रो. (डॉ.) संगीता अनेजा ने कहा कि माँ का दूध शिशु के लिए सर्वोत्तम पोषण है और आशा कार्यकर्ता मातृ-शिशु स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

एटीएम मशीन में कैश डाल रहे जनसेवा केंद्र संचालक के साथ मारपीट

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- बारादरी बाजार में एक निजी बैंक के एटीएम मशीन में कैश डाल रहे जनसेवा केंद्र संचालक के साथ एटीएम से रुपए निकालने आए व्यक्ति ने गाली गलौच व मारपीट की। पीड़ित ने थाना प्रभारी को शिकायत देकर कार्रवाई की मांग कि लगाई है। स्थानीय बारादरी बाजार निवासी आलोक अग्रवाल का पुत्र अराध्य अग्रवाल मेन बाजार बारादरी में अपने दादा शिवकुमार पंसारी की पैतृक दुकान में जनसेवा केंद्र, श्याम ट्रेवल्स एवं हिचाची कंपनी के एटीएम व बैंक ऑफ बड़ौदा की फ्रेंचाइज का संचालन करता है। अराध्य रोजाना की तरह सोमवार की शाम पौने पांच बजे एटीएम मशीन में कैश डाल रहा था। के एटीएम से पैसे निकालना आए व्यक्ति ने गली गलोच कर मारपीट की। पुलिस को दी शिकायत में अराध्य अग्रवाल ने कहा है कि वह एक बैग में 20 लाख रुपए लेकर एटीएम मशीन में कैश डालने के लिए मशीन का कैश बॉक्स खोल रहा था। आरोप है कि एक अज्ञात व्यक्ति (संभवतः वह एटीएम से कैश निकालने आया होगा)एटीएम बूथ के गेट पर खड़ा हो गया।जब अराध्य ने दो बार उसे बूथ से बाहर जाने को कहा तो वह भड़क गया और गाली गलौच करते हुए एटीएम बूथ से बाहर खींचकर मारपीट करने लगा।

आसपास के दुकानदारों ने बीच बचाव कर अराध्य को बचाया। सारी घटना सीसी टीवी में कैद हो गई है। अराध्य अग्रवाल ने थाना प्रभारी को शिकायती पत्र देकर आरोपी का पता लगाकर उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने कि मांग कि है।

सहसपुर में युवक की संदिग्ध मौत, पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के स्योहारा थाना क्षेत्र के सहसपुर कस्बे के मोहल्ला सराय कलां स्थित एक खाली प्लॉट में मंगलवार सुबह 25 वर्षीय युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची तथा घटनास्थल का निरीक्षण किया। शव के पास से नशे में इस्तेमाल होने वाले इंजेक्शन मिलने के बाद पुलिस प्रथम दृष्टया अत्यधिक नशे को मौत का संभावित कारण मान रही है, हालांकि वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह डायल-112 पर सूचना मिली कि मोहल्ला सराय कलां निवासी दिलशाद के खाली प्लॉट में एक युवक मृत अवस्था में पड़ा है। सूचना पर चौकी प्रभारी यशदेव शर्मा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। मृतक की पहचान मोहल्ला शेखान निवासी 25 वर्षीय शहनाबाज पुत्र जाहिद के रूप में हुई। पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल बिजनौर भेज दिया। घटनास्थल से मिले साक्ष्यों को भी जांच के लिए सुरक्षित कर लिया गया है। धामपुर के पुलिस क्षेत्राधिकारी अंजनी कुमार ने बताया कि सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची थी।

परिजनों ने पुलिस को बताया कि शहनाबाज नशे का आदी था और सोमवार शाम घर से निकला था, जिसके बाद मंगलवार सुबह उसका शव मिला। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद मृत्यु के सही कारणों के आधार पर अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

राकेश हत्याकांड में आठ साल बाद आया फैसला, आठ आरोपियों को आजीवन कारावास की मिली सजा

बिजनौर (सब का सपना):- राकेश हत्याकांड के 8 साल बाद आज अदालत में द्वारा आठ आरोपियों को आजीवन कारावास और 10 लाख 80 हजार रुपए जुमार्ने की सजा सुनाई गई। मालूम हो कि 2018 में राकेश द्वारा अपने बड़े भाई की हत्या की पैरवी करने पर गोली बरसा कर हत्या कर दी गई थी इसी मामले में आज न्यायाधीश लोकेश नागर ने सभी आठ आरोपियों को सजा सुनाई। उल्लेखनीय है कि 27 दिसंबर 2018 में थाना स्योहारा जनपद बिजनौर क्षेत्र के गांव राणा नगला निवासी राकेश कुमार की बरखेड़ा के पास एक दुकान पर बाइक सवार दो बदमाशों ने गोली मार कर हत्या कर दी थी मृतक की पत्नी संतोष देवी की तहरीर पर पुलिस ने राणा नगला निवासी कुख्यात बदमाश आदित्य राना उसकी बहन मोनिका परिवार का रॉबिन व राहुल और दो अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था आरोप है 18 अक्टूबर 2017 राकेश के भाई मुकेश की आदित्य ने अपने साथी के साथ मिलकर हत्या कर दी थी जिसके मुकदमे की पैरोकारी राकेश कर रहा था। जेल में बंद आदित्य ने केस वापस लेने की धमकी दी थी केस वापस नहीं करने पर ऐलान के साथ गोली मारकर हत्या की धमकी भी दी थी। इस मामले में न्यायाधीश लोकश नागर ने आदित्य के बड़े भाई चंद्रवीर उर्फ बिट्टू गांव राना नंगला निवासी रॉबिन ,जयवीर व शुभम के अलावा नांगल सोती के गांव अभीपुरा निवासी अक्षय नूरपुर के गांव पुरैना निवासी पीयूष गांव पीपल साना निवासी प्रदीप और शहर कोतवाली के गांव हमीरपुर निवासी सोनू को दोषी माना है। इस केस की सुनवाई के दौरान ढाई लाख का इनामी आदित्य राना पुलिस का कस्टडी से 23 अगस्त 2022 को फरार हो गया था जिसे 12 अप्रैल 2023 को शहर क्षेत्र में एसओजी और पुलिस ने मार गिराया था एक आरोपित राहुल की भी सुनवाई के दौरान मृत्यु हो गई थी तथा तीन आरोपियों को साक्ष्य के भाव में बरी कर दिया गया है।

नगीना क्षेत्र में गुलदार के हमले से 10 वर्षीय मासूम की मौत

खेत से लौटते समय हुआ हादसा, खोजबीन के बाद खेत से शव हुआ बरामद

बिजनौर (सब का सपना):- जिले के नगीना देहात थाना क्षेत्र स्थित ग्राम सीखनीवाला में परिजनों के साथ खेत से लौट रहे एक 10 वर्षीय मासूम बच्चे पर घात लगाकर बैठे गुलदार ने हमला कर दिया और उसे खींचकर जंगल की ओर ले गया। बाद में वन विभाग और ग्रामीणों की खोजबीन के दौरान बच्चे का शव बरामद हुआ। घटना के बाद से पूरे इलाके में दहशत और शोक का माहौल है। ग्राम सीखनीवाला निवासी नरसिंह अपने परिवार के साथ देर शाम सोमवार को खेत में काम निपटाकर घर लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में झाड़ियों में छिपा बैठा गुलदार अचानक हमलावर हो गया। इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता, गुलदार परिजनों के बिल्कुल बीच से 10 वर्षीय अर्णव को अपने जबड़े में दबाकर तेजी से जंगल की तरफ भाग निकला। परिजनों और आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत शोर मचाते हुए गुलदार का पीछा करने और बच्चे को बचाने का हर संभव प्रयास किया, लेकिन गुलदार घना जंगल होने के कारण काफी दूर निकल चुका था। काफी मशक्कत के बाद बच्चे का क्षत-विक्षत शव जंगल से बरामद किया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय प्रशासन और वन अधिकारियों ने परिजनों को सांत्वना दी और मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी गई है और ग्रामीणों को अकेले खेतों में न जाने तथा सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है। डीएफओ जय सिहं का कहना है कि क्षेत्र में पिंजरा लगाया जायेगा, उन्होंने ग्रामीणों से अपील की वे खेतों में जाते हुए सावधानी बरतें ग्रुप बनाकर ही जाये। ग्रामीणों ने वन विभाग और स्थानीय प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए भारी नाराजगी व्यक्त की है। ग्रामीणों का कहना है कि इलाके में काफी समय से गुलदार की आवाजाही बनी हुई थी, लेकिन ठोस कदम नहीं उठाए गए।

तमन्ना मलिक और पति अमन त्यागी को 20 हजार रुपये के मुचलके का नोटिस

उप जिलाधिकारी सम्भल

उप जिलाअधिकारी संभल

संभल (सब का सपना):- कांवड़ यात्रा से पहले संभल प्रशासन ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से कार्रवाई तेज कर दी है। इसी क्रम में चर्चित मामले से जुड़े अमन त्यागी और उनकी पत्नी तमन्ना मलिक को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) की निवारक कार्रवाई से संबंधित प्रावधानों के तहत नोटिस जारी किया गया है। दोनों से 20 हजार रुपये के मुचलके पर पाबंद किए जाने के संबंध में कारण बताने को कहा गया है। प्रशासन के अनुसार दोनों को न्यायालय में उपस्थित होने के लिए नोटिस भेजा गया था, लेकिन निर्धारित तिथि पर वे उपस्थित नहीं हुए। इसके बाद दोबारा नोटिस जारी किया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यदि अगली तिथि पर भी दोनों उपस्थित नहीं होते हैं तो उनके विरुद्ध नियमानुसार आगे की कार्रवाई करते हुए वारंट जारी किया जा सकता है। वहीं अमन त्यागी ने इस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि उनकी पत्नी तमन्ना मलिक केवल भगवान शिव के दर्शन और जलाभिषेक के लिए कांवड़ लेकर गई थीं। उनका कहना है कि धार्मिक यात्रा करने पर भी प्रशासन की ओर से इस प्रकार की कार्रवाई किया जाना उचित नहीं है। उल्लेखनीय है कि तमन्ना मलिक के कांवड़ यात्रा में शामिल होने का मामला पहले भी चर्चा का विषय बन चुका है। अब प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद यह मामला एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। प्रशासन का कहना है कि यह कार्रवाई कानून-व्यवस्था बनाए रखने और शांति व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की जा रही है।

चारु कश्यप के परिजनों को एक करोड़ सहायता व नौकरी देने की मांग

बुलन्दशहर (सब का सपना):- श्री श्याम मित्र मंडल, साठा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व जिलाधिकारी को ज्ञापन भेजकर 28 जुलाई को बारिश के दौरान नाले में बहकर मृत हुई कक्षा-4 की छात्रा चारु कश्यप के परिजनों को एक करोड़ की आर्थिक सहायता तथा एक सरकारी नौकरी देने की मांग की है। संगठन ने नगर के खुले नालों को ढकने, काली नदी व नालों की सफाई कराने तथा मगरमच्छों को आबादी से दूर स्थानांतरित करने की भी मांग उठाई। साथ ही मुख्यमंत्री से पीड़ित परिवार से मिलकर उन्हें सांत्वना देने का आग्रह किया गया।

डिबाई के विकास प्रस्तावों पर मुख्यमंत्री से मिले विधायक सी.पी. सिंह, छात्र तनुज ने योगी को भेंट किया स्वनिर्मित चित्र

डिबाई/बुलंदशहर (सब का सपना):- डिबाई विधायक सी.पी. सिंह ने लखनऊ स्थित मुख्यमंत्री आवास पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर डिबाई बाईपास, कर्णवास-अनूपशहर मार्ग के चौड़ीकरण, डिबाई अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति सहित क्षेत्र के विकास से जुड़े कई प्रस्ताव सौंपे। मुख्यमंत्री ने सभी प्रस्तावों पर शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस दौरान परिषदीय विद्यालय ढकनगला के पूर्व छात्र एवं पीएसपीए विद्यामंदिर, अनूपशहर के कक्षा 12 के छात्र तनुज कुमार ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को उनका स्वनिर्मित पोर्ट्रेट भेंट किया। मुख्यमंत्री ने छात्र को उज्ज्वल भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर डॉ. सोमेंद्र कुमार, शिवकुमार प्रधान, राजकुमार मीड़ा एवं अन्य मौजूद रहे।

हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने के लिए भाजपा ने बनाई रणनीति

जिला कार्यशाला
तिरंगा या

बुलन्दशहर (सब का सपना):- भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय पर हर घर तिरंगा अभियान को लेकर जिला कार्यशाला आयोजित हुई। मुख्य अतिथि प्रदेश मंत्री एवं जिला प्रभारी बसन्त त्यागी ने कहा कि यह अभियान राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता और तिरंगे के सम्मान का जनआंदोलन है। जिलाध्यक्ष विकास चौहान ने बताया कि जनपद मुख्यालय सहित सभी विधानसभा क्षेत्रों के प्रत्येक मंडल में भव्य तिरंगा यात्राएं निकाली जाएंगी तथा हर घर तिरंगा लगाने के लिए जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा। कार्यशाला में अभियान की रूपरेखा पर चर्चा करते हुए पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया।

खंडित मूर्ति के स्थान पर नई मूर्ति स्थापित कराने पर बनी सहमति

बुलंदशहर (सब का सपना):- शिकारपुर तहसील क्षेत्र के ग्राम बोहिच मीरापुर में मंदिर की खंडित मूर्ति को लेकर ग्रामीणों में व्याप्त आक्रोश के बीच भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के हस्तक्षेप से नई मूर्ति स्थापित कराने पर सहमति बनी है। उल्लेखनीय है कि बोहिच मीरापुर भाजपा सांसद डॉ. भोला सिंह का पैतृक गांव भी है। मंगलवार को भाकियू (टिकैत) के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता गांव पहुंचे और ग्रामीणों तथा पुलिस-प्रशासन के साथ वार्ता की। बताया गया कि एक व्यक्ति द्वारा मंदिर में स्थापित देवी-देवता की मूर्ति खंडित किए जाने के बाद ग्रामीणों में रोष था। वार्ता के बाद सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि खंडित मूर्ति को विधिवत मंदिर से हटाया जाएगा तथा शुक्रवार तक नई मूर्ति उपलब्ध कराकर स्थापित कराने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। पुलिस प्रशासन ने निर्धारित समय में नई मूर्ति की व्यवस्था कराकर स्थापना कराने का आश्वासन दिया। भाकियू पदाधिकारियों ने ग्रामीणों से शांति एवं सौहार्द बनाए रखने की अपील की। वार्ता के बाद ग्रामीणों ने प्रशासन के आश्वासन पर सहमति जताई।

आरव कराटे एकेडमी का शुभारंभ आरएलडी राष्ट्रीय महासचिव प्रो. भीष्म सिंह ने फीता काटकर किया उद्घाटन

जहांगीराबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- नगर के साईं मंदिर के निकट मंगलवार को आरव कराटे एकेडमी का शुभारंभ राष्ट्रीय लोकदल प्रोफेशनल मंच के राष्ट्रीय महासचिव प्रो. भीष्म सिंह एवं सुमन देवी ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर प्रो. भीष्म सिंह ने कहा कि कराटे जैसे खेल युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का विकास करते हैं तथा बेटियों की आत्मरक्षा के लिए ऐसे प्रशिक्षण की विशेष आवश्यकता है। एकेडमी के कोच एवं अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी बिट्टू कुमार ने बताया कि संस्थान का उद्देश्य बच्चों और युवाओं को गुणवत्तापूर्ण कराटे प्रशिक्षण देकर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना है। कार्यक्रम में कोच भूपेंद्र लोधी, मोहित सोनी, अर्जुन कुमार, जितेंद्र चौधरी सहित खिलाड़ी, अभिभावक एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

बुलंदशहर में चैन स्नैचर से पुलिस की मुठभेड़, पैर में गोली लगने से घायल

बुलंदशहर (सब का सपना):- खुर्जा देहात थाना क्षेत्र में चैन स्नैचिंग के मामले में वांछित बदमाश और पुलिस के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में बदमाश आदिल पैर में गोली लगने से घायल हो गया, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने उसके कब्जे से अवैध तमंचा, खोखा कारतूस, पीली धातु की एक चैन और बाइक बरामद की है। पुलिस के अनुसार, 1 अगस्त को खुर्जा देहात क्षेत्र में एक महिला से चैन स्नैचिंग की घटना हुई थी। मामले में मुकदमा दर्ज कर आदिल और इमरान को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई।

पूछताछ में आदिल ने घटना में प्रयुक्त तमंचे को बिजय ढाबे के पीछे बंबा रोड स्थित झाड़ियों में छिपाने की बात बताई। 4 अगस्त को पुलिस टीम आदिल की निशानदेही पर तमंचा बरामद करने पहुंची। इसी दौरान आरोपी ने पुलिस अभिरक्षा से भागने का प्रयास किया और झाड़ियों में छिपाकर रखे लोडेड तमंचे से पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग की, जिसमें आदिल के पैर में गोली लगी। घायल बदमाश को गिरफ्तार कर अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पुलिस ने मौके से एक अवैध तमंचा, एक खोखा कारतूस, पीली धातु की एक चैन और टीवीएस रोनिन बाइक (UP81 CZ 7961) बरामद की है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आदिल पुत्र जमील निवासी जाकिर नगर, क्वार्सी, अलीगढ़ और इमरान पुत्र सलीम निवासी जमालपुर हमदर्द नगर, सिविल लाइन, अलीगढ़ के रूप में हुई है।

पुलिस के मुताबिक, दोनों आरोपी शातिर अपराधी हैं और उनके खिलाफ अलीगढ़ समेत अन्य थाना क्षेत्रों में लूट, चोरी, आर्म्स एक्ट और गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने दोनों के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

सीएचसी लखावटी की टीम 24 घंटे कांवड़ सेवा में जुटी

औरंगाबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) लखावटी की मोबाइल हेल्थ केयर यूनिट कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को निशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करा रही है। मंगलवार को मेडिकल ऑफिसर डॉ. तहसीन रजा ने स्टेट हाईवे स्थित राजकीय कन्या इंटर कॉलेज के सामने पलवल (हरियाणा) के दो कांवड़ियों के पैरों की मरहम-पट्टी कर आवश्यक दवाएं दीं। उन्होंने बताया कि मोबाइल हेल्थ केयर यूनिट 24 घंटे सड़क पर रहकर कांवड़ियों का उपचार कर रही है और यात्रा समाप्त होने तक यह सेवा लगातार जारी रहेगी।

संसद की घटना पर आचार्य प्रमोद कृष्णम का बड़ा बयान, राहुल गांधी और पप्पू यादव मांगे सनातन समाज से माफी

बुलन्दशहर (सब का सपना):- श्री श्याम मित्र मंडल, साठा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व जिलाधिकारी को ज्ञापन भेजकर 28 जुलाई को बारिश के दौरान नाले में बहकर मृत हुई कक्षा-4 की छात्रा चारु कश्यप के परिजनों को एक करोड़ की आर्थिक सहायता तथा एक सरकारी नौकरी देने की मांग की है। संगठन ने नगर के खुले नालों को ढकने, काली नदी व नालों की सफाई कराने तथा मगरमच्छों को आबादी से दूर

स्थानांतरित करने की भी मांग उठाई। साथ ही मुख्यमंत्री से पीड़ित परिवार से मिलकर उन्हें सांत्वना देने का आग्रह किया गया।

ब्रज प्रांत के प्रांतीय शारीरिक प्रमुख रामशंकर का बुलन्दशहर में स्वागत

बुलन्दशहर(सब का सपना):- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के ब्रज प्रांत के प्रांतीय शारीरिक प्रमुख एवं पूर्व बुलंदशहर जिला प्रचारक रामशंकर का मंगलवार को नगर के सभासद सरदार सवी सिंह के प्रतिष्ठान पर आगमन हुआ। इस दौरान सरदार सवी सिंह ने उनका स्वागत कर आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि रामशंकर जी का राष्ट्र, समाज

PEV ELECTRIC PVT LTD.

और संगठन के प्रति समर्पित जीवन युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है।

दिल्ली में एसआईआर की डेडलाइन 7 अगस्त आ रही नजदीक, 70 सीटों पर अटका है वोटर फॉर्म सत्यापन

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के अधिकतर गरीब और मध्यम वर्ग के इलाकों में गणना फॉर्म के सत्यापन और डिजिटलीकरण में देरी हो रही है। दिल्ली चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) में यह स्थिति सामने आई है। इन क्षेत्रों में हुआ तेजी से काम 7 अगस्त की फॉर्म जमा करने की अंतिम तारीख से सिर्फ पांच दिन पहले, कस्तूरबा नगर में केवल 43.1, जंगपुरा में 48.5, नई दिल्ली में 56.9, आरके पुरम में 56.9, मालवीय नगर में 62.6 और ग्रेटर कैलाश में 66.2 प्रतिशत फॉर्म सत्यापित और डिजिटाइज्ड हुए हैं। इसके विपरीत कई अपेक्षाकृत कम आय वाले और बाहरी दिल्ली के निर्वाचन क्षेत्रों में यह आंकड़ा 70 प्रतिशत को पार कर चुका है। इनमें सीलमपुर में 73.4, मुस्तफाबाद में 73.4, मंगोलपुरी में 74.3, नांगलोई जाट में 74.3, मटियाला में 74.5, बावना में 71.5 और मुंडका में 71.5 शामिल हैं। धीमी प्रगति रिपोर्ट पर अधिकारी ने क्या कहा? एक चुनाव आयोग अधिकारी ने टीओआई को बताया है कि कई अपस्केल इलाकों में धीमी प्रगति का कारण मतदाताओं की उदासीनता है। उन्होंने कहा, 'शुरूआती हफ्तों में पूर्वी दिल्ली के क्षेत्रों और अपस्केल कॉलोनियों में रहने वाले मतदाताओं से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली थी।' उन्होंने आगे कहा कि सम्पन्न इलाकों में सत्यापन अभियान को समय पर पूरा करने में प्रक्रिया धीमी पड़ गई है और सबसे धीमी प्रगति इन्हीं क्षेत्रों से रिपोर्ट की गई है। 70 विधानसभा क्षेत्रों में होना है सत्यापन उन्होंने बताया कि 7 अगस्त के बाद कोई फॉर्म स्वीकार नहीं किए जाएंगे। 70 विधानसभा क्षेत्रों में अभी फॉर्मों का सत्यापन नहीं हुआ है। 1 अगस्त की नई एसआईआर स्थिति रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 40 से 45 परसेंट मतदाताओं के फॉर्म चाहे भौतिक रूप से या ऑनलाइन भरे गए हों, सबको सत्यापित और मैप किया जा चुका है।

सरचार्ज माफ होने पर भी क्यों पानी का बिल नहीं भर रहे दिल्लीवाले? सिर्फ 32% उपभोक्ताओं ने उठाया छूट का लाभ

नई दिल्ली। पानी के गलत बिल से परेशान उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए दिल्ली सरकार ने पिछले वर्ष अक्टूबर में लेट पेमेंट सरचार्ज (एलपीएससी) माफी योजना की घोषणा की थी। 31 जनवरी को समाप्त होने वाली इस योजना की अवधि 15 अगस्त तक बढ़ा दी गई थी, इसके बाद भी उपभोक्ता इसका लाभ उठाने में संकोच कर रहे हैं। इसका मूल कारण उपभोक्ताओं को भेजा गया भारी भरकम बिल है। जुमार्ना व सरचार्ज माफ करने के बाद भी पानी बिल की राशि अधिक है। इसे ठीक कराने के लिए वह जल बोर्ड के कार्यालय का चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हो रही है। 15 अगस्त को समाप्त होगी योजना दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के आंकड़ों के अनुसार एलपीएससी माफी योजना का लाभ बकाया राशि वाले केवल 32.6 प्रतिशत उपभोक्ताओं ने ही उठाया है, जबकि यह योजना 15 अगस्त को समाप्त होने वाली है। कब शुरू की गई थी योजना? 14 अक्टूबर, 2025 को जब यह योजना शुरू की गई थी, तब लगभग 14.6 लाख लोगों के बिल बकाया थे, जिनमें से केवल 4,78,999 (32.6 प्रतिशत) लोगों ने ही छूट का लाभ उठाया है। 67.38 प्रतिशत लोगों का बकाया अभी भी बाकी है। जल बोर्ड बिल संबंधित मामलों के समाधान के लिए जोनल रेवेन्यू आफिसर स्तर पर समिति बनाने का निर्णय लिया है। इस योजना का उद्देश्य इन बकाया राशियों के भुगतान को आसान बनाना है, जिसके तहत उपभोक्ता को केवल मूल राशि का भुगतान करना है। सरकार ने ब्याज और लेट पेमेंट सरचार्ज माफ कर दिया है। योजना शुरू होने के बाद से डीजेबी ने 641.11 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व अर्जित किया है, जबकि उपभोक्ताओं के 1,709.72 करोड़ रुपये से अधिक के ब्याज माफ किए गए हैं। उपभोक्ताओं पर 87,588 करोड़ रुपये था बकाया योजना शुरू होने के समय घरेलू, सरकारी और व्यावसायिक सभी श्रेणी के उपभोक्ताओं पर 87,588 करोड़ रुपये से अधिक का बिल बकाया था। इसमें से मूल बिल बकाया राशि 7,125 करोड़ रुपये थी और एलपीएससी शुल्क 80,463 करोड़ रुपये था। घरेलू श्रेणी में, लंबित बिल 16,126 करोड़ रुपये के थे, जिसमें 5,057 करोड़ रुपये मूल राशि के रूप में और 11,069 करोड़ रुपये एलपीएससी के रूप में थे।

बांस की डंडी से लेकर एलईडी लाइट तक, भोले भक्तों की कांवड़ यात्रा देश की आर्थिकी में जोड़ती है 5,000 करोड़

नई दिल्ली। सावन का पावन महीना केवल भगवान शिव की भक्ति और आध्यात्मिक आस्था का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह देश की ग्रामीण, कुटीर और पारंपरिक अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा प्रदान करने वाला एक विशाल आर्थिक अभियान भी है। धार्मिकता, आध्यात्मिकता और प्रकृति प्रेम के साथ इसके आर्थिक महत्व को भी समझें। इस पवित्र माह में भोले भक्तों की कठिन पद यात्रा देश की आर्थिकी तंत्र में कोई 5,000 हजार करोड़ योगदान देती है। जबकि, दो लाख से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष रोजगार मिलता है। मतलब, कांवड़ यात्रा से जुड़ा कांवड़ निर्माण उद्योग आज लाखों लोगों की आजीविका का महत्वपूर्ण आधार बन चुका है और यह भारत की सांस्कृतिक विरासत के साथ-साथ आर्थिक सशक्तिकरण का भी सशक्त माध्यम

है। ऐसे चलती है सावन की अर्थव्यवस्था इसको कुछ यूं समझें... उत्तराखंड सरकार के अनुसार हाल के वर्षों में हरिद्वार कांवड़ यात्रा में लगभग 4.5 करोड़ श्रद्धालुओं की भागीदारी दर्ज की गई है, जबकि झारखंड सरकार के अनुसार देवघर के विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेले में प्रतिवर्ष 50 से 55 लाख श्रद्धालु पहुंचते हैं। इन विशाल धार्मिक आयोजनों के कारण सावन के दौरान देशभर में कांवड़ों की मांग कई गुना बढ़ जाती है, जिससे एक व्यापक उत्पादन एवं व्यापारिक श्रृंखला सक्रिय हो जाती है। कांवड़ निर्माण मुख्य रूप से एक पारंपरिक कुटीर उद्योग है, जो उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार और झारखंड के अनेक ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी क्षेत्रों में संचालित होता है। बिजनौर के नजीबाबाद, हरिद्वार के ज्वालापुर, मेरठ, बागपत, सहारनपुर तथा आसपास के क्षेत्रों में हजारों कारीगर परिवार पीढ़ियों से इस कला से जुड़े हुए हैं। केवल नजीबाबाद के प्रमुख कांवड़ निर्माण क्लस्टर में ही 500 से अधिक कारीगर प्रतिवर्ष लगभग 2 से 2.5 लाख कांवड़ों का निर्माण करते हैं। केवल धार्मिक आस्था नहीं आर्थिक श्रृंखला का केंद्र है कांवड़ यात्रा वहीं झारखंड में देवघर, जसीडीह, मधुपुर, दुमका और संताल परगना क्षेत्र कांवड़ निर्माण व उससे जुड़े हस्तशिल्प उद्योग के प्रमुख केंद्र हैं, जहां हजारों कारीगर श्रावणी मेले एवं कांवड़ यात्रा की मांग को पूरा करने के लिए

प्रतिवर्ष लाखों कांवड़ व धार्मिक सामग्री तैयार करते हैं। एक कांवड़ केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि अनेक उद्योगों और व्यवसायों को जोड़ने वाली आर्थिक श्रृंखला का केंद्र है।

अरविंद केजरीवाल के पीएम आवास मार्च पर पुलिस की पाबंदी, धारा 163 का हवाला देकर आप मुख्यालय घेरा

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के ई-20 पेट्रोल के विरोध में प्रधानमंत्री आवास तक प्रस्तावित मार्च से आधे घंटे पहले ही दिल्ली पुलिस ने आप मुख्यालय की घेराबंदी कर दी। इस दौरान बड़ी संख्या में दिल्ली पुलिस और सीआरपीएफ के जवान तैनात किए गए हैं। फिरोजशाह रोड यातायात के लिए बंद कर दिया गया है। कोई अनुमति नहीं मांगी गई दरअसल, दिल्ली पुलिस ने प्रस्तावित यात्रा को अनुमति देने से इंकार कर दिया है। यह यात्रा ई20 पेट्रोल के विरोध में आयोजित की जानी थी। पुलिस सूत्रों ने पुष्टि की कि न तो केजरीवाल और न ही

उनकी पार्टी ने करीब 100 लोगों की इस यात्रा के लिए औपचारिक अनुमति मांगी थी। न ही कोई मंजूरी दी गई थी। अधिकारियों ने यह भी बताया कि राष्ट्रीय राजधानी में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 लागू है, जो प्रधानमंत्री निवास की ओर किसी भी जुलूस या यात्रा पर रोक लगाती है। फिरोजशाह रोड पर पुलिस ने रोका इस बीच अरविंद केजरीवाल का काफिला फिरोजशाह रोड पर पहुंच गया था। हालांकि, पुलिस ने इसके आगे नहीं जाने दिया। पुलिस के मना करते ही केजरीवाल के समर्थक सड़क पर बैठ गए और वहीं धरना शुरू हो गया। भीड़ के बीच में केजरीवाल ने कहा कि पेपर लीक से भी यह बड़ा आंदोलन करना पड़ेगा, तब मोदी जी झुकेंगे। मोदी जी पर ट्रंप का दबाव है, इसलिए इतनी आसानी से मानने वाले नहीं है। मोदी जी की पुलिस ने हमें आगे नहीं जाने दिया है। उन्होंने कहा कि पुलिस कह रही है कि मोदी जी कह रहे हैं, वह नहीं मिलेंगे। आप कार्यकर्ताओं ने सभी पिटिशन दिल्ली पुलिस की गाड़ी में रखवा दिए हैं। इसी के साथ धरना समाप्त हुआ। केजरीवाल ने अपने समर्थकों के साथ करीब 1 घंटे तक धरना दिया।

दिल्ली में सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके पर प्राथमिकी दर्ज, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर फैजान ने लगाए संगीन आरोप

नई दिल्ली। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर फैजान अंसारी ने सीजेपी (सीजेपी) पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके के खिलाफ दिल्ली पुलिस में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। अंसारी का आरोप है कि दिपके के लोगों ने उन पर हमला किया। फैजान अंसारी ने कहा, 'आज मैंने सीजेपी पार्टी के संस्थापक दर्ज कराई है, क्योंकि मेरे पास सबूत हैं कि उनके लोगों ने मुझ पर हमला किया। मुझे पुणे और औरंगाबाद में हमले का सामना करना पड़ा। इन घटनाओं को लेकर पहले से ही दो मामले दर्ज हैं। मैं चाहता हूं कि दिल्ली पुलिस तुरंत दिपके को गिरफ्तार करे।' अंसारी ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और पुलिस की सराहना करते हुए कहा कि सोनम वांगचुक को सही समय पर हिरासत में लेने के कारण दिल्ली का माहौल बिगड़ने से बच गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि दिपके अपने निजी हितों के लिए यह सब कर रहे हैं। यह शिकायत दिल्ली में दर्ज कराई गई है। मामले में आगे की कार्रवाई दिल्ली पुलिस द्वारा की जाएगी।

अभिजीत दीपके के खिलाफ दिल्ली डीसीपी के पास लिखित शिकायत

स्वास्थ्यवर्धक सीताफल

सीताफल में विटामिन बी–1, ए, बी–2 और सी पाया जाता है। इसका फल गोलाकार, छोटी–छोटी गोल कृतिवाली, बाहर से उभरी हुई पेशियों के कारण मनोहर कलाकृति के समान लगता है। यह अत्यन्त ठंडा होता है। अधिक खाने पर जुकाम हो जाता है। इनके फल में अनेक बीज काले और चिकने होते हैं। बीजों के आसपास सफेद मीठी गिरी होती है। इसे ही खाया जाता है।

शरीर की दुर्बलता, थकान, अशक्ति, मांस–पेशियां क्षीण होने की दशा में सीताफल का सेवन करने से मांसवृद्धि होती है। यह शरीर के लिए अत्यन्त श्रेष्ठ फल है। घबराहट, ह्वदय की क्रिया को स्वाभाविक बना देता है। इसकी एक बड़ी किस्म और होती है, जिसे रामफल कहते हैं। व्रत के दिनों में फलाहार के रूप में इसे खाते हैं। पूरक आहार के रूप में इसका सेवन किया जाता है। कुछ लोग सीताफल को अन्नुस भी कहते हैं। निम्न रोगों पर चिकित्सा संबंधी उपयोग दिए जा रहे हैं, इनका प्रयोग करें और रोगों को दूर भगाएं–

अतिसार

सीताफल का कच्चा फल खाना अतिसार और पेचिश में उपयोगी है।

घाव पर

सीताफल के पत्तों को पीसकर, सेंधा नमक मिलाकर पुल्टिस को घाव पर बांधने से उसमें पड़े हुए कीड़े मर जाते हैं।

दूसरी विधि

कच्चे अपक्व फोड़ों पर सीताफल के पत्ते, कच्ची तंबाकू और सूखे चूने में शहद मिलाकर घाव पर बांधने से शीघ्र पकता है और भीतरी पीप बाहर निकलकर घाव शीघ्र ठीक होता है।

जुएं या लीख में

कच्चे सीताफल का चूर्ण या इसके बीज का चूर्ण बनाकर रात में सोने से पूर्व सिर में खूब लगाकर सिर को कपड़े से बांध लें। इससे सिर के बालों में पड़ी जुएं और लीखें मर जाती हैं।

पित्त में

पके सीताफल को खुली जगह ओस में रख दें। सवेरे खाने से पित्त का दाह शांत होता है।

मासिक धर्म

यदि मासिक बंद हो गया हो, तो सीताफल के बीज की गर्म बत्ती बनाकर स्त्री योनि में रखने से बंद मासिक आना शुरू हो जाता है।

सावधानियां

सीताफल को अधिक मात्रा में सेवन करने से ठंड लगकर बुखार आ जाता है। अत्यधिक खाने से व्यक्ति बीमार हो जाता है। सीताफल का बीज आंख में जाने पर दाह–जलन करता है, इससे आंखें खराब हो जाती हैं। जुएं या लीखें मारने के लिए उनके बीज का चूर्ण सिर में भरते समय आंख में न चला जाए। सीताफल न पचने पर फायदे के बदले नुकसान भी कर देता है।

संतुलित आहार स्वस्थ जीवन का रहस्य

आपको जितनी भूख हैं उसका तीन–चौथाई ही खाएं। एक चौथाई भाग पानी के लिए छोड़ दें। खाना खाने के थोड़ी देर बाद पानी पिएं। इससे खाना अच्छा पचेगा। भोजन को पचाने में रेशेदार तत्वों का भी विशेष महत्व हैं अपने आहार में रेशेदार व रसीले फलों को भी लें। इनसे विटामिन्स भी मिलेंगे और भोजन पचने में मदद भी मिलेगी। पौष्टिक तत्वों के लिए भोजन में अंकुरित अनाजों का भी समावेश करें यदि आप चाहते हैं कि आपका शरीर सुडौल रहे तो अपने भोजन में अधिक मसाले, तेल व शक्कर का प्रयोग न करें। प्रतिदिन भोजन में कच्चाी सब्जियों व फलों का प्रयोग सलाद के रूप में करें। ये मोटापे से आपको दूर रखेंगे।

यदि आपको अक्सर पार्टियों में जाना पड़ता हैं तो दूसरे दिन उसको संतुलित करने के लिए सूप, फलों का जूस, फल, सलाद एक समय का आहार रखें। पातन शक्ति इससे सही रहेगी। जब भूख लगी हो तो तब न खाकर बाद में अधिक खाना शरीर की स्वाभाविक प्रक्रिया में बाधा पहुंचाता हैं ऐसी गलती न करें। भूख के अनुसार ही खाएं। विटामिन्स, प्रोटीन्स, खनिज जो शरीर के लिए जरूरी हैं। ऐसे सभी पदार्थों को प्रतिदिन अपने आहार में जरूर रखें। जहां तक हो सके, शीघ्र सुपाच्य पदार्थों का ही सेवन करें। इससे आप कब्ज या गैस जैसे रोगों से बचे रहेंगे। खाना खाने का भी सही तरीका अपनाएं। प्रसन्न मन से एक जगह बैठ कर भोजन करें। इस समय तनाव और चिंता छोड़ दें।

अच्छे सलीके से किए गए भोजन से तन और मन दोनों ही प्रभावित होते हैं। भोजन के साथ–साथ अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रतिदिन 8 से 10 गिलास तक पानी पिएं।

हेल्थ प्लस

बीमारियों से बचाते हैं एंटीऑक्सीडेंट्स

एंटी–ऑक्सीडेंट्स फ्री रेडिकल्स से होने वाली क्षति से बचाते हैं। ये हार्ट डिजीज से बचाव एवं सुरक्षा करते हैं।

एंटी ऑक्सीडेंट्स ऐसे तत्त्व हैं, जो कई प्रकार की बीमारियों से शरीर की रक्षा करते हैं। इनसे बुढ़ापे की प्रक्रिया धीमी होती हैं। ये विटामिन ए, विटामिन सी और विटामिन ई से मिलते हैं। यह फ्री रेडिकल्स से होने वाली क्षति से शरीर को बचाते हैं। ये हार्ट डिजीज से बचाव एवं सुरक्षा करते हैं, चाहे रक्त में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा कम या ज्यादा होती रहे। ये एलडीएल कोलेस्ट्रॉल की प्रक्रिया को उल्टा कर देते हैं। यह विटामिन कई प्रकार के होते हैं और फल एवं सब्जियां प्राकृतिक रूप से इनसे भरपूर हैं जिनका सेवन हम आराम से कर सकते हैं, जबकि दवाइयों में बहुत साइड इफेक्ट हैं।

विटामिन–ए

विटामिन ए दो प्रकार के होते हैं। पहला जो पशु और उसके पदार्थों से प्राप्त होता है जैसे मांस, दूध आदि जिसे रेटिनोल कहते हैं और दूसरे जो फल एवं सब्जी से प्राप्त होता है जिसे बीटा केरोटीन कहते हैं। यही बीटाकेरोटीन एंटी ऑक्सीडेंट की तरह काम करते हैं। रंगीन फल एवं सब्जियां इसका एक अच्छा स्त्रोत है, जैसे साग, धनिया, गोभी, गाजर, सीताफल, आम, पपीता एवं टमाटर, यह केरोटीन शरीर के अंदर विटामिन ए में बदल जाता है। यह पकाने या अल्ट्रा वायलट किरणों से भी खराब नहीं होता, किंतु इसका केवल 30 से 40 प्रतिशत हिस्सा ही शरीर में रहता है। प्रतिदिन व्यक्ति को रेटिनोल 600 माइक्रोग्राम और बीटा केरीटीन 2400 माइक्रोग्राम की आवश्यकता होती है।

विटामिन–सी

विटामिन सी का सबसे बड़ा स्त्रोत आंवला है। यह नीबू , संतरा, मौसमी, स्ट्राबेरी, अमरूद, फूलगोभी और हरी पत्तेदार सब्जी जैसे साग में पाया जाता है।

विटामिन–ई

विटामिन ई भी एंटी ऑक्सीडेंट्स की तरह काम करता है। यह हमारे शरीर की रक्षा प्रणाली को मजबूत करता है। यह व्हाइट ब्लड सेल्स को मजबूत करता है और हार्ट डिजीज से बचाता है। यह आटे, अंकुरित दालों और हरे साग में पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है।

खून की कमी

आपको थकान महसूस हो रही है तो हो सकता है खून की कमी हो या रक्त में कुछ तत्व कम हों। भोजन में लौह–तत्व, खनिज लवण की पूर्ति करें। पत्तेदार सब्जियां और फल खाएं। भारत में रक्ताल्पता अर्थात् खून की कमी के रोगी सर्वाधिक हैं। यह अनुपात पुरूषों की अपेक्षा स्त्रियों में अधिक देखने में आता है। शरीर में खून की मात्रा 4 से 6 लीटर होती है। जब खून में लाल रक्त कणिकाएं कम होने लगती हैं। इस रोग में रोगी का चेहरा पीला या काला, आंखें सफेद, शारीरिक कमजोरी, शीघ्रता से थकान, मानसिक अवसाद, स्नायु एवं स्मृति दौर्बल्य आदि लक्षण प्रकट होने लगते हैं। किसी भी प्रकार के रक्तालपता में कुछ प्रयास अत्यन्त लाभकारी हो सकते हैं।

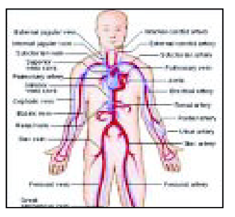

आयरन की भरपाई

इस रोग में खून में लौह तत्व की कमी आने लगती है। अत: अपने भोजन में लौह–तत्व की पूर्ति करने हेतु फलों में सेब, अंजीर, मुनक्का, अनार, पपीता व सब्जी में पालक, मेथी, गाजर, बथुआ, चुकंदर, खूबानी आदि को रात्रि में लोहे की कड़ाही में पानी के साथ 6 घंटे भिगोने के बाद प्रयोग करें, ऐसा करने से तेजी से खून में आयरन की मात्रा बढ़ेगी।

जरूरी है विटामिन बी–12

खून की कमी के दौरान शरीर को विटामिन बी–12 की सख्त आवश्यकता होती है, जो खून में लाल रक्त कणिकाओं को तेजी से बढ़ाता है। अनार, सेब, चुकंदर में पाए जाने वाला आयरन शरीर में पहुंचकर विटामिन बी–12 में बदल जाता है। यदि सुबह के समय पेट की मिट्टी पट्टी व एनिमा लेकर नीबू पानी व शहद के साथ फल व कच्ची सब्जियों का प्रयोग किया जाए, तो विटामिन बी–12 की पूर्ति होता है।

खनिज लवण जरूरी

खून की कमी के दौरान शरीर में खनिज लवणों की कमी आ जाती है जो कि शरीर को पानी द्वारा पूर्ति नहीं हो पाती है। यदि इस दौरान शरीर को जैतून तेल से धूप मालिश व धूप सर्वांग मिट्टी लेप दिया जाए तो शरीर इस प्रक्रिया द्वारा खनिज लवणों की मूर्ति कर खून को कोबाल्ट, मैग्नीशियम, कॉपर आदि की पूर्ति कर चेहरा एवं त्वचा को कांतिमय बनाता है।

ऑक्सीजन हो पर्याप्त

खून की कमी का एक मुख्य कारण शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा कम होना भी है। जब शरीर में ऑक्सीजन प्रचुर मात्रा में उपलब्ध रहती है, तो ऑक्सीजन श्वेत रक्त कणिकाओं व प्लाज्मा के संयोजन द्वारा लौह तत्व की पूर्ति कर लाल रक्त कणिकाओं की संख्या बढ़ाता है। जब शरीर में ऑक्सीजन शुद्ध एवं भरपूर पहुंचता है, तो खून के सारे अवयव ठीक कार्य करते हैं। ऑक्सीजन की पूर्ति के लिए सुबह की खुली ताजा हवा में तेज गति से घूमना बेहद लाभकारी साबित हो सकता है। घूमने की प्रक्रिया के दौरान तेजी से शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित होती है।

अंकुरित भोजन

भोजन में जीवंत खाद्य पदार्थ शामिल करें, जैसे अंकुरित अनाज, दाल, फल, सब्जी, सलाद आदि। जीवंत भोजन नई कोशिकाओं को पैदा कर ऊर्जा देता है, नई कोशिकाएं शरीर में हीमोग्लोबिन की मात्रा को बढ़ाकर खून की कमी को दूर करती हैं तथा साथ ही हरी दूब व गेहूं के जवारे का 50 से 60 मिग्रा. रस खून में हीमोग्लोबिन की मात्रा को तेजी से बढ़ाता है, जिसे 'ग्रीन ब्लड' कहा जाता है। अब तक की धारणा थी कि मांसाहार खून की कमी को पूरा करता है। लेकिन, असल में ऐसा नहीं है। मांसाहार शरीर में हीम लौह की मात्रा के साथ–साथ कोलेस्ट्रॉल की मात्रा भी तेजी से बढ़ाता है, जो कि दिल का दौरा व उच्च रक्तचाप के लिए जिम्मेदार है। प्रकृति में पाया जाने वाला क्लोरोफिल, आयरन व विटामिन्स खून की कमी को सही तरीके से पूरा करते हैं।

मां का भोजन

ब्रिटिश वैज्ञानिकों ने विस्तृत अध्ययन के बाद बताया कि गर्भवती महिलाओं को पर्याप्त मात्रा में प्रोटीनयुक्त आहार नहीं मिले तो उनके शिशुओं की आयु कम हो जाती है। शोधकर्ताओं ने चूहियों पर अध्ययन के बाद यह जानकारी दी। कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के विज्ञानियों का कहना है कि अध्ययन के दौरान जिन चूहियों को पर्याप्त मात्रा में संतुलित भोजन दिया गया उनके बच्चे ज्यादा दिनों तक जीवित रहे, जबकि जिन्हें असंतुलित आहार दिया गया उनके बच्चों की मौत जल्दी हो गई। शोधकर्ताओं का कहना है कि चुहियों पर किया गया अध्ययन सीधे तौर पर महिलाओं पर लागू नहीं होता, लेकिन नेचर में छपी खबर के अनुसार जन्म के समय औसत से कम वजन वाले बच्चों को बढ़ती उम्र के साथ दिल की बीमारी के साथ–साथ दूसरे जानलेवा रोगों से पीड़ित होने का खतरा बना रहता है।

शोधकर्ता सुसान ओजानेने का कहना है कि अध्ययन से इस बात की पुष्टि हो गई है कि गर्भवती महिलाओं को समुचित मात्रा में प्रोटीनयुक्त आहार मिले, तो शिशु की आयु औसतन बढ़ जाती है। उन्होंने बताया कि गर्भवती महिलाओं को संतुलित आहार नहीं मिलने पर भरूण का पर्याप्त विकास नहीं हो पाता। सुसान का कहना है कि शिशु के जन्म के बाद भी महिलाओं को प्रोटीनयुक्त भोजन नहीं मिलने पर शिशु की जिंदगी पर इसका बुरा प्रभाव पड़ता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष
चू चे चो ला ली लू ले लो आ

लेन–देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। बिगड़ा कार्य बनेगा। शुभांक–3–6–8

वृष
इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। शुभ कार्यों में व्यय होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक–4–6–8

मिथुन
का की कू घ ङ छ के को हा

अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। मेहमानों का आगमन होगा। पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक–3–5–7

कर्क
ही हू हे हो डा डी डू डे डो

श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक–2–4–6

सिंह
मा मी मू मे मो टा टी टू टे

धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। संतान पक्ष की समस्या खत्म होगी। अपने काम पर नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक–1–3–5

कन्या
टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। धन लाभ की संभावना। शुभांक–4–6–8

तुला
रा री रु रे रो ता ती तू ते

जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन लेन–देन में सतर्क रहें। शुभांक–5–7–9

वृश्चिक
तो ना नी नू ने नो य यी यू

परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम–प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान हैं अत: वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक–2–6–9

धनु
ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

नये लोगों से मेल–मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। घर तथा व्यावसाय को एक–दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंग। शुभांक–6–8–9

मकर
भे जा जी खी खू खे खो गा गी

धन के लेन–देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। माता–पिता के स्वास्थ्य में गिरावट से चिंता रहेगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। शुभांक–4–7–9

कुंभ
गू गे गो सा सी सू से सो दा

सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। पुराना विवाद समाप्त होगा। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेंगे। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक–3–6–9

मीन
दी दू थ ञ्ञ ञ दे दो चा ची

आय के नये स्त्रोत बनेंगे। पद–प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंग। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति होगी। शुभांक–2–4–7

काकुरो पहेली - 3969

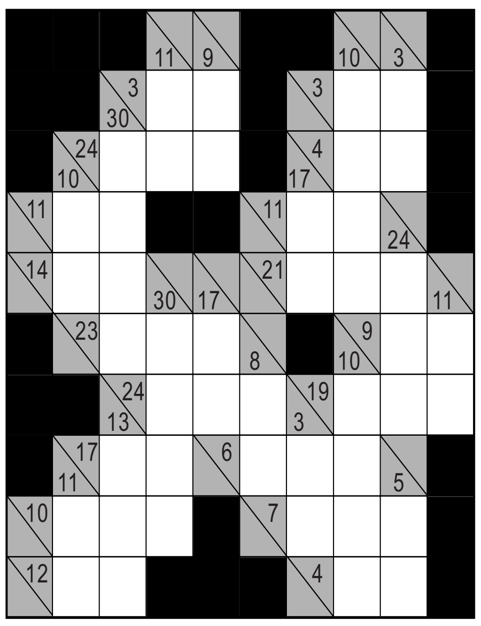

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

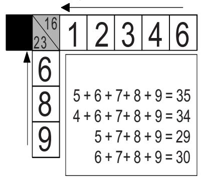

काकुरो - 3968 का हल

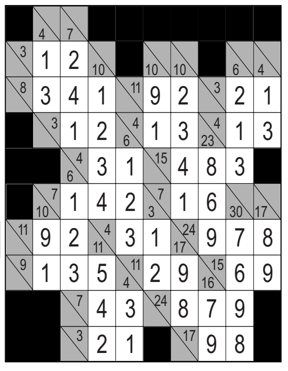

लॉफिंग ज़ोन

रमन (नरेश से)– तुम्हारी पत्नी रोजाना घर में इतनी? खिटपिट करती रहती है। तुम इतना तनावपूर्ण वातावरण को कैसे सह लेते हो?

नरेश (बड़े इत्मीनान से बोला)– दोस्त! ऑफिस एक ऐसा स्थान है, जहाँ आप घर के तनावों से मुक्ति पाकर विश्राम कर सकते हैं। और रोजाना मैं भी वही करता हूँ।

□ □ □

रमन–चमन आपस मे बातें कर रहे थे।

रमन (चमन से)– मेरी पत्नी दूसरी मंजिल से गिर गई।

चमन– क्या वह मर गई?

रमन– नहीं यार, यह तो अच्छा हुआ कि वह बाल–बाल बच गई।

चमन– अरे यार, तुम केवल बालों का क्या करोगे।

□ □ □

रमन (मित्र से)– 'यार तेरा हाथ कैसे फ्रैक्चर हो गया?'

चमन– 'कल मैं तेज मोटरसाइकल चलाकर घर आ रहा था, तभी सामने से एक ट्रक आ गया। मैंने ब्रेक मारा और...।'

रमन– 'उसने तुझे टक्कर मार दी।'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 3969

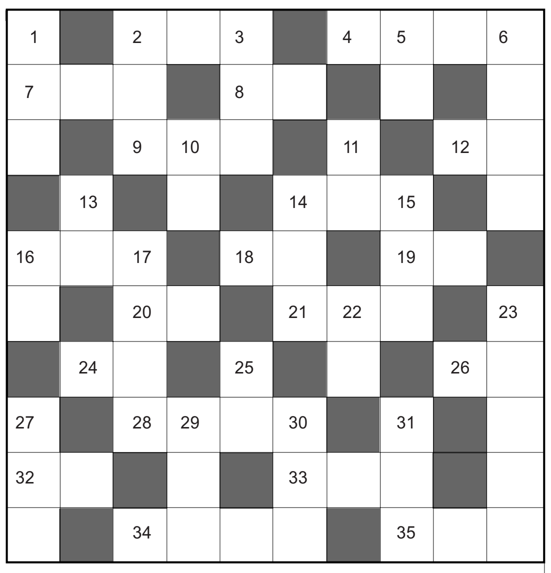

बायें से दायें:–

२. अक्षय खन्ना, सोनाली की 'ओ गोरी आजा' गीत वाली फिल्म–३
४. 'कहाँ से आई रानी' गीत वाली अजय, काजोल की फिल्म–२,२
७. आमिर, रानी मुखर्जी की 'आँखों से तूने' गीत वाली फिल्म–३
८. राजेश वाली 'हम दोनों' में हेमा के साथ दूसरी नायिका कौन थी?–२
९. अमिताभ, ऋषि, हेमा की 'चल चल मेरे भाई' गीत वाली फिल्म–३
१२. 'हिना' की पाक नायिका?–२
१४. धर्मेन्द्र, हेमा की 'प्यार के इस खेल में' गीत वाली फिल्म–३
१६. 'दिल में तुझे बिठाके' गीत वाली शशिकपूर, शबाना की फिल्म–३
१८. जैकी, अनिल, पूनम की 'हर करम अपना' गीत वाली फिल्म–२
१९. 'फिलहाल' में नायिका 'रेखा' की भूमिका किसने की है?–२
२०. सनीलदत्त, रीनाराय, आशा की 'जलता है जिया' गीतवाली फिल्म–२
२१. 'आ तेरी तसवीर' गीत वाली देवनंद, मधुबाला की फिल्म–३
२४. अनिल कपूर, पद्मिनी की 'वो सात दिन' के निर्देशक कौन थे?–२
२६. संजयदत्त, सलमान, रवीना की 'सुनो गौर से' गीत वाली फिल्म–२
२८. 'दिल दीवाने का' गीत वाली नसीर, धर्मेन्द्र, पल्लवी, एकता की फिल्म–४
३२. सनी, शिल्पा शेट्टी की 'आशिकी बनके' गीत वाली फिल्म–२
३३. 'दिल में जो बातें हैं' गीत वाली देवआनंद, हेमा की फिल्म–३
३४. नसीर, आदित्य, पूनम ढिल्लों, मंदाकिनी अभिनीत एक फिल्म–४
३५. आमिर, ग्रेसीसिंह की 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म–३

ऊपर से नीचे:–

१.'तुम रूठ के मत जाना' गीतवाली भारत भूषण, मधुबाला की फिल्म–३
२. रवीना, राईमा, संजीव सूरी की 'बहार ही बहार' गीत वाली फिल्म–३
३. 'चोरी चोरी जब नजरें' गीतवाली फिल्म–३
५. अनिल, गोविंद की 'दीवाना मस्ताना' की नायिका कौन थी?–२
६. 'रस्ते में वो खड़ा' गीतवाली सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म–४
१०. राकेश रोशन, सिम्मी की 'जब भी ये दिल' गीत वाली फिल्म–२
११. 'अब चाहे सर फूटे' गीत वाली फिल्म–२
१३. संजयदत्त, टीना मुनीम की 'क्या यही प्यार है' गीत वाली फिल्म–२
१४. 'सावन के झूले पड़े' गीतवाली फिल्म–३
१५. 'फूल तुम्हें भेजा है' गीत वाली 'सरस्वतीचंद्र' की नायिका–३
१६. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली जीतेंद्र, बबीता की फिल्म–२
१७. राजेश खन्ना, हेमा की 'कहानियाँ सुनाती है' गीत वाली फिल्म–४
२२. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीतवाली फिल्म–२
२३. चंकी, मिथुन, सोमी अली की 'क्या आँखें हैं' गीत वाली फिल्म–३,२
२५. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली फिल्म–२
२७. शबाना आजमी, श्वेता प्रसाद अभिनीत बाल फिल्म–३
२९. 'दिल नहीं देना' गीत वाली फिल्म–३
३०. फिल्म 'सपने' की नायिका कौन थी–३
३१. 'चोरी चोरी तेरे संग' गीत वाली मिथुन, आयशा की फिल्म–३

फिल्म वर्ग पहेली - 3968

रि	फ्यू	जी		बे	मि	सा	ल		क
शि		न	म्र	ता		या		फ	र्ज
ता	क	त		बी	ना		सु	र	
	र्त		श		स्ति			दी	पा
दि	व्य	श	क्ति		क	न्या	दा	न	
ल		ग		रो			ग		ई
से	ह	ग		श	र्मी	ली		घा	त
	थि		स	नी		ला	ग		का
द	या	वा	न		पॉ		जा	लि	म
स	र		म	न	च	ली		सा	

सूडोकु -3969

		4			9			
	2			8	4			
8						3		
							9	4
	3						7	
5	6							
		7						9
			2	5			8	
			6			2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3968 का हल

5	9	1	2	8	4	3	6	7
6	4	2	3	5	7	9	1	8
8	3	7	9	6	1	4	2	5
4	7	5	8	2	6	1	9	3
3	6	9	7	1	5	8	4	2
1	2	8	4	3	9	7	5	6
7	5	6	1	9	8	2	3	4
9	8	3	5	4	2	6	7	1
2	1	4	6	7	3	5	8	9

शब्द पहेली - 3969

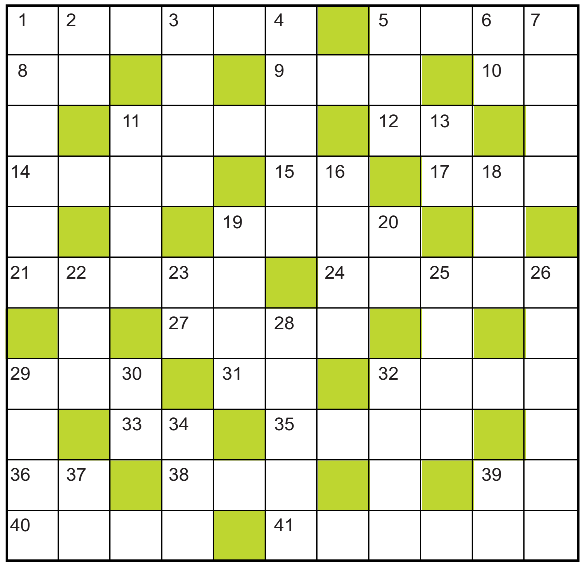

बाएँ से दाएँ

1.अत्यावश्यक-6
5.कारागार,जेल-4
8.पानी,नीर-2
9.मीन,मत्स्य-3
10.लक्ष्मी,कमला-2
11.कलाकार,फनकार-4
12.मर्द,मादा का विलोम-2
14.हसरत,मुराद-4
15.कैद में,अवरुद्ध,रुका-2
17.भूमि,धरती-3
19.मतवासा,मदहोश-4
21.फिल्मी दुनिया-3,3
24.दुर्भाग्यशाली-5
27.ठोकर लगना,भिड़ना-4
29.दौंडी पीटना-3
31.सांप,सर्प-2
32.दाल-4
33.हूर,अप्सरा-2
35.गाड़ी चलाने वाला-4
36.पिता का छोटा भाई-2
38.पुत्र,बेटा-3
39.टोंटी,नलका-2
40.ललचाना,तड़फाना-4
41.टाऊन हाल, नागरिक भवन-2,4

ऊपर से नीचे

1.ईश्वर,अनश्वर-3,3
2.तेलहन-2
3.सुखद वस्तु, वर देना-4
4.करधनी,कमर पेटी-5
5.गलीचा-3
6.दिन-2
7.समस्या का हल-4
11.धरोहर,थाती-4
13.मिट्टी,धूल-2
16.चमकना-4
18.वायुसेना का एक विमान-3
19.इतराना-4
20.परत-2
22.जाप करना-3
23.किवाड़,द्वार-2
25.उदाहरणत:-4
26.परवरिश-3,3
28.राग छेड़ना-5
29.भेंट,मेल-मिलाप-4
30.दिया,दीपक-2
32.औषधालय, दवाखाना-4
34.खाली होना-3
37.छोटी सवारी गाड़ी-2
39.नया,नवीन-2

शब्द पहेली -3968 का हल

	बि	रा	द	री		ज	य	मा	ला	
बि	ल		श		का	य	म		श	व
रा		म	ह	क	ना		ज	रा		र्त
द	र	द	रा			सा		ग	रि	मा
र		हो		व	सु	ध	र		या	न
	कु	श	ल		दा		जा	य	ज	
मि	ली		क	रा	मा	त		म		अ
ला	न	त		त			प	रा	धी	न
व		ल	ता		अ	च	र	ज		ब
ट	ब		ली	न	ता		तं		मी	न
	स	ला	म	त		मि	त्र	व	त	

क्या इस क्रिकेटर यशस्वी जायसवाल को डेट कर रही हैं मृणाल ठाकुर?

मुंबई के एक कैफे का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसने दोनों के डेटिंग रूमर्स को हवा दे दी है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो बांद्रा वेस्ट के एक कैफे का है, जहां दोनों एक ही समय पर नजर आए। वीडियो में दिखता है कि यशस्वी कैफे से बाहर निकलते हैं, जबकि मृणाल अंदर ही मौजूद रहती हैं। हालांकि दोनों के बीच किसी भी तरह की रोमांटिक बातचीत या क्लोज मोमेंट वीडियो में नहीं दिखता, लेकिन सोशल मीडिया पर लोगों ने कयास लगाने शुरू कर दिए। जैसे ही यह वीडियो वायरल हुआ, फैन पेजेस ने इसे 'डेटिंग' से जोड़कर शेयर करना शुरू कर दिया। देखते ही देखते यह एक बड़ा टॉपिक बन गया। खास बात यह है कि इससे पहले दोनों को कभी साथ नहीं देखा गया था, इसलिए फैंस के लिए यह काफी सरप्राइजिंग था।

क्या सच में डेट कर रहे हैं?

फिलहाल ऐसा कोई पक्का सबूत नहीं है कि मृणाल और यशस्वी रिलेशनशिप में हैं। कई सोशल मीडिया यूजर्स ने भी लोगों से जल्दबाजी में नतीजा न निकालने की अपील की है। कुछ का मानना है कि दोनों किसी काम, शूट या प्रोफेशनल मीटिंग के लिए मिले हो सकते हैं। अब तक ना मृणाल और ना ही यशस्वी ने इन अफवाहों पर कोई बयान दिया है।

उम्र का फर्क भी बना चर्चा का विषय

इस खबर के साथ दोनों की उम्र का अंतर भी चर्चा में आ गया। मृणाल ठाकुर 33 साल की हैं, जबकि यशस्वी जायसवाल 24 साल के हैं। यानी दोनों के बीच करीब 9 साल का अंतर है। सोशल मीडिया पर लोग इस पर भी अलग-अलग राय दे रहे हैं।

सिर्फ स्क्रीन पर दिखना नहीं, असर छोड़ने वाले किरदार निभाना चाहती हूं

मुंबई बरखा सिंह ने अपने करियर की शुरुआत हल्के-फुल्के रोमांटिक और कमिंग-ऑफ-एज किरदारों से की थी, लेकिन पिछले तीन सालों में उन्होंने अपनी अभिनय यात्रा को एक नया आयाम दिया है। क्रिमिनल जस्टिस और अब टैक्स डिपार्टमेंट स्टोरी जैसे प्रोजेक्ट्स में दमदार और चुनौतीपूर्ण किरदार निभाकर उन्होंने खुद को एक बहुमुखी अभिनेत्री के रूप में साबित किया है। बरखा का मानना है कि वह ऐसे किरदार निभाना चाहती हैं जो सिर्फ कहानी का हिस्सा न हों, बल्कि दर्शकों पर गहरी छाप भी छोड़ें।

टैक्स डिपार्टमेंट स्टोरी में वह पहली बार एक भारतीय राजस्व सेवा (ढ्ढक्रस्) अधिकारी के दमदार किरदार में नजर आएंगी। अपने बदलते करियर चुनावों पर बात करते हुए बरखा ने कहा कि टैक्स डिपार्टमेंट स्टोरी में ढ्ढक्रस् अधिकारी का किरदार निभाना उनके लिए बेहद खास अनुभव रहा और इससे उन्हें यह और भी स्पष्ट हो गया कि आगे वह किस तरह के किरदार करना चाहती हैं। बरखा सिंह ने कहा, मैं टैक्स डिपार्टमेंट स्टोरी में IRS अधिकारी का किरदार निभाने को लेकर बेहद उत्साहित हूं। मेरी कोशिश हमेशा ऐसे किरदार निभाने की रहती है जो कहानी में सिर्फ मौजूद न हों, बल्कि उसे आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएं। मुझे ऐसे किरदार पसंद हैं जिनकी अपनी मजबूत आवाज़ हो, जो आज के दौर की जटिलताओं को दिखाएं और दर्शकों को कुछ सोचने पर मजबूर करें।

अपनी विशलिस्ट के फिल्ममेकर्स का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, अगर मेरी विशलिस्ट की बात करूं तो लापता लेडीज़ के बाद मैं किरण राव के साथ काम करना चाहूंगी। इसके अलावा राख जैसी शानदार स्टोरीटेलिंग के लिए प्रोसित रॉय और पाताल लोक में बेहतरीन काम करने वाले अविनाश अरुण के साथ काम करना भी मेरा सपना है। इन तीनों की कहानी कहने की शैली बेहद अलग और प्रेरणादायक है। बरखा सिंह जल्द ही टैक्स डिपार्टमेंट स्टोरी में एक बिल्कुल नए और दमदार अंदाज़ में ढ्ढक्रस् अधिकारी की भूमिका निभाती नजर आएंगी। दिलचस्प प्रोजेक्ट्स और स्पष्ट रचनात्मक सोच के साथ बरखा लगातार ऐसे किरदार चुन रही हैं जो न सिर्फ उनकी अभिनय क्षमता को नई ऊंचाइयों तक ले जाएं, बल्कि दर्शकों के दिलों में भी लंबे समय तक अपनी छाप छोड़ें।

'मॉम' का बन रहा सीक्वल खुशी कपूर निभाएगी लीड रोल

महान अभिनेत्री श्रीदेवी की फिल्म 'मॉम' 2017 में आई थी, जो बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई थी। अब करीब 9 साल बाद इसका सीक्वल बनने जा रहा है, जिसको लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। खुशी कपूर अब फिल्म 'मॉम 2' में लीड रोल निभाने जा रही हैं। यह 2017 की हिट फिल्म मॉम का सीक्वल है और इसे नवंबर 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज करने की तैयारी है। इस फिल्म को उनके पिता बोनी कपूर प्रोड्यूस कर रहे हैं, और इसकी शूटिंग नोएडा और ग्रीस में हुई है। फ्री प्रेस जर्नल की रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'मॉम 2' का कनेक्शन श्रीदेवी के उस यादगार किरदार से जुड़ा होगा, जिसने उन्हें खास पहचान दिलाई थी। 'मॉम' श्रीदेवी की आखिरी फिल्म थी, ऐसे में यह प्रोजेक्ट खुशी कपूर के लिए काफी इमोशनल और खास माना जा रहा है, क्योंकि वह अपनी मां की विरासत को आगे बढ़ाती नजर आएंगी।

हार्डी संधू ने इंडस्ट्री में टिके रहने का सबसे जरूरी मंत्र दिया

पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री और बॉलीवुड में अपनी पहचान बना चुके सिंगर और एक्टर हार्डी संधू न सिर्फ अपनी आवाज और एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं, बल्कि अपने प्रोफेशनल व्यवहार के लिए भी फेमस हैं। उनके साथ काम करने वाले हर कलाकार अक्सर उनकी तारीफ करते नजर आते हैं। अब एक्ट्रेस रेवती महुरकर ने भी हार्डी के साथ अपने अनुभव को शेयर किया। रेवती ने बताया कि 'तेवर' म्यूजिक वीडियो की शूटिंग के दौरान हार्डी ने उन्हें एक ऐसी सलाह दी, जिसे वो आज भी अपनी जिंदगी का हिस्सा मानती हैं। रेवती महुरकर ने बताया कि हार्डी संधू ने उन्हें इंडस्ट्री में टिके रहने का सबसे जरूरी मंत्र दिया। उन्होंने कहा, ''शूट के बीच में हार्डी ने कहा, 'अपने काम को लेकर बहुत सोच-समझ कर फैसला लिया करो। 'हमेशा अच्छे कलाकारों और अच्छी टीम के साथ ही काम करना', इस एक सलाह ने मेरे काम चुनने का पूरा तरीका बदल दिया।''

उन्होंने कहा, ''हार्डी के साथ काम करने के बाद मुझे असल में समझ आया कि आप किन लोगों के साथ काम करते हैं, ये कितना मायने रखता है। अक्सर हम सिर्फ प्रोजेक्ट देखते हैं, लेकिन टीम और माहौल को इग्नोर कर देते हैं। हार्डी के साथ शूट पर मुझे महसूस हुआ कि एक अच्छा प्रोडक्शन कैसा होता है। उनके सेट पर हर चीज प्रोफेशनल थी। उनका प्रोडक्शन बहुत बड़े लेवल का था।'' रेवती ने टीम के व्यवहार की भी बात की। उन्होंने कहा, ''सबसे खास बात ये थी कि उनकी पूरी टीम ने मेरे साथ बहुत सम्मान से बात की। मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि मैं नई हूं। मुझे हर फैसले में बराबर की अहमियत मिली। शूट के दौरान हम अच्छे दोस्त बन गए और इसकी सबसे बड़ी वजह हार्डी हैं। वो दिल के बहुत अच्छे इंसान हैं। उनका दिमाग बहुत क्रिएटिव है और वो हर चीज को नए तरीके से सोचते हैं। उनके साथ बैठकर बात करना भी बहुत कुछ सिखाता है।''

रेवती ने हार्डी के व्यक्तित्व के बारे में आगे कहा, ''वह इंडस्ट्री की राजनीति से दूर रहते हैं। वह सिर्फ अपने काम से मतलब रखते हैं। इसी वजह से 'तेवर' का फाइनल रिजल्ट आज भी मेरे दिल के सबसे करीब है। ये अब तक का मेरा सबसे पसंदीदा काम है। जब भी मैं वो वीडियो देखती हूं तो मुझे गर्व महसूस होता है।''

रेवती ने शूटिंग के आखिरी दिन की एक बहुत प्यारी याद भी साझा की। उन्होंने बताया कि शूट 48 घंटे तक लगातार चला था। इतनी लंबी शूट के बाद भी टीम में एक अलग ही एनर्जी थी।

अब बात करते हैं हार्डी संधू के आने वाले प्रोजेक्ट की। हार्डी जल्द ही पंजाबी फिल्म 'रांझेया' में लीड रोल में नजर आएंगे। ये फिल्म एक लव स्टोरी है। इस फिल्म में उनके साथ सिमरत कौर रंधावा और अंगद बेदी जैसे बड़े नाम भी शामिल हैं।

अमिताभ बच्चन और शाहरुख खान संग काम करने की ख्वाहिश हैं

आज जाने-माने निर्देशक बन चुके अहमद खान के करियर का सफर बड़ा ही दिलचस्प रहा है। चाइल्ड आर्टिस्ट से कोरियोग्राफर बने और फिर इंडस्ट्री के तमाम बड़े स्टार्स को नचाने वाले अहमद खान इन दिनों चर्चा में हैं निर्देशक के रूप में अपनी ताजा-तरीन फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' से। इस फिल्म में एक साथ 30-35 बड़े कलाकारों को हैंडल करने वाले अहमद खान अब तक अपने करियर में तकरीबन सभी बड़े सितारों के साथ काम कर चुके हैं, मगर वो शेर है न- बहुत निकले मेरे अरमान, लेकिन फिर भी कम निकले, तो इसी तर्ज पर इस खास बातचीत में वह न केवल अपने करियर के सफर पर बात करते हैं, बल्कि ट्रेजिडी किंग कहलाने वाले दिलीप कुमार, बादशाह खान और बिग बी से जुड़ी यादों को भी साझा करते हैं।

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए वह कहते हैं, 'बच्चन साहब के साथ कोरियोग्राफर के रूप में काम कर चुका हूं। मगर मुझे इंतजार है एक अच्छी स्क्रिप्ट का। वैसे बिग बी इन दिनों चुनिंदा काम ही कर रहे हैं। मैं ये जरूर कहना चाहूंगा कि कई बार हमारी प्लानिंग किस्मत के आगे फेल हो जाती है। अब जैसे मैं अपने निर्देशन की शुरुआत शाहरुख खान के साथ 'सब्र' नामक फिल्म से करना चाहता था, मगर उसी दौर मैं शाहरुख खान अपने प्रोडक्शन की मैं हूं न लेकर आए। उस समय शाहरुख ने कहा था कि पहले वह अपनी फिल्म करेंगे और उसके बाद मेरी। लेकिन उनकी फिल्म में देरी होती रही और मुझे भी अपना काम शुरू करना था, इसलिए मैंने अपनी फिल्म शुरू कर दी।'

अपनी हालिया फिल्म में सितारों के मेले के साथ काम करने वाले अहमद ने कलाकारों से जुड़ी कई दिलचस्प बातें बताईं। उन्हीं के शब्दों में, 'देखिए, सबसे बड़ी बात यह थी कि सब मेरे दोस्त थे। किसी ने मुझे कोई तकलीफ नहीं दी। सबसे पहले अक्षय कुमार समय से पहले सेट पर आ जाते थे। हम सबको पता था कि कोई न कोई अगर गड़बड़ करेगा तो शूटिंग प्रभावित होगी। इसलिए हर कोई यही सोचता था कि कहीं गलती मुझसे न हो जाए। उसी वजह से काम बहुत अच्छे से हुआ। हमारे सेट पर जॉनी लीवर, परेश रावल और राजपाल यादव जैसे धुरंधर कॉमेडियन भी थे, मगर मैं आपको बताना चाहूंगा कि हमारे सेट पर कोई भी कलाकार इनसिक्योर नहीं था। उल्टा सब एक-दूसरे से कहते थे, 'तू कर ले... तू कर ले। इसलिए कभी कोई दिक्कत नहीं आई।'

मैं प्रॉड्यूसर से पैकअप या पैसों के बारे में नहीं पूछता

'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' से घर-घर में लोगों का दिल जीत चुके राघव जुयाल इन दिनों 'भाई तेरा स्टार' को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने कहा- मेरे माता-पिता जिस सैलरी के चक्रव्यूह में फंसे रहे, मुझे उन्हें उससे निकालना है, मैं देहरादून में उनके लिए पांच मंजिला घर बनवा रहा हूं और मुझे उन्हें एयरप्लेन में फर्स्ट क्लास में ट्रैवल कराना है।

इसमें उनकी मेहनत, लगन और समर्पण का तो पूरा हाथ है, मगर उनकी किस्मत भी कम चमकीली नहीं। हम बात कर रहे हैं, राघव जुयाल की। 'किंग ऑफ स्लो मोशन' के रूप में जाने जाने वाले राघव ने होस्टिंग भी कमाल की की और यही वजह है कि अभिनय का उनका मार्ग प्रशस्त हुआ। 'किल' और 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में तारीफें बटोरने के बाद इन दिनों वे चर्चा में हैं सोलो हीरो वाली 'भाई तेरा स्टार' है। जल्द ही वे शाहरुख खान की 'किंग' में विलेनिश अंदाज में दिखेंगे। उनसे एक खास बातचीत।

'मेरे दादा केस्टो मुखर्जी की मिमिक्री किया करते थे'

हर आम माता-पिता की तरह राघव के परिवार ने भी उनकी मुखालफत की। वे कहते हैं, 'मुझे लगता है कि मेरे माता-पिता को मजबूरी में वकील और टीचर बनना पड़ा। वरना थे तो वो भी कलाकार ही। कला हमारे परिवार में पहले से थी। मेरे दादा जी केस्टो मुखर्जी जैसे सीनियर कमीडियन की कॉमिडी किया करते थे, कविताएं लिखते थे, किताबें लिखते थे। वे लेखक थे। शायद अभिनय और कला का यह बीज वहीं से आया। मगर जब मैंने एक्टिंग में आने की बात की तो कोई भी राजी नहीं था। इसलिए मुझे अपने घोसले से उड़ना पड़ा।

माता-पिता के लिए घर बनवा रहा हूं

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए वे कहते हैं, 'मैं अपनी जनरेशन के लोअर मिडल क्लास कर्स (अभिशाप) कि आप ये नहीं कर सकते, वो नहीं कर सकते, को पूरी तरह से मिटा देना चाहता हूं, आगे की जनरेशन के लिए। कोई जब मुझसे कहता है कि अपनी औकात में रहो या तुमको काफी मिला गया है, तो मैं किसी की नहीं सुनना चाहता, क्योंकि मैंने अपने बाप-दादाओं को मेहनत की रोटी के लिए संघर्ष करते देखा है, तो मुझे ये अभिशाप हटाना है। ये छोटे शहर के लड़के की भावनाएं बोल रही हैं। मुझे वो सोच तोड़नी है कि लोग क्या कहेंगे? मेरे माता-पिता जिस सैलरी के चक्रव्यूह में फंसे रहे, मुझे उन्हें उससे निकालना है। मैं देहरादून में उनके लिए पांच मंजिला घर बनवा रहा हूं। मुझे उन्हें एयरप्लेन में फर्स्ट क्लास में ट्रैवल कराना है। उन्होंने मेरा 16 साल का संघर्ष देखा है। मैं हमेशा कहता था कि एक दिन मैं सिंगल हीरो वाली फिल्म करूंगा।

राघव का मानना है कि विवादों के बजाय उन्होंने हमेशा अपने काम पर ध्यान दिया है। वे कहते हैं, 'हमेशा मेरा काम बोला है। जब मैं डांसर था, तब बेस्ट था। जब होस्ट बना, तब भी मुझे सराहा गया। अब जब मैं एक्टिंग कर रहा हूं, तो तब भी बेस्ट ही बनूंगा। मैं सिर्फ अपने काम को बेहतर करने के लिए मेहनत करता हूं। मैं सुपरस्टार बनने की जर्नी में हूं। मैंने आज तक किसी प्रोड्यूसर से कभी नहीं पूछा कि पैकअप कब होगा, डेढ़ शिफ्ट होगी या दो? वैनिटी है या नहीं? मैंने तो कभी ये तक नहीं पूछा कि कितने पैसे मिलेंगे? मैं सिर्फ पूछता हूं कि शूटिंग पर कहां आना है? शायद यही वजह है कि प्रोड्यूसर भी मेरे साथ काम करना चाहते हैं।'

पिछले 16 सालों से खुद को स्टार महसूस कर रहा हूं

वे बेहद आत्मविश्वास से कहते हैं, 'मैं स्टार वाला मोमेंट पिछले 16 सालों से ही फील कर रहा हूं। मैं जब मुंबई आया और मैंने डीआईडी (डांस इंडिया डांस) में भाग लिया, उस वक्त मेरा डांस देखने के लिए 15-20 हजार का क्राउड आया था, तो बड़ा स्टार मोमेंट था। मैं खुद को लगातार रीइंवेंट करता आया हूं। मेरे लिए अवॉर्ड मिलना भी एक बड़ा पल था। लेकिन सबसे ज्यादा खुशी तब होती है, जब लोग प्यार देते हैं।' अपने क्रेजी फैंस का जिक्र करते हुए वे कहते हैं, 'एक बार एक फैन मेरे नाम का टैटू बना कर आ गया था, तब मैंने उसे समझाया था कि वो ऐसा न करे। अरे, कई बार तो फनी इंसिडेंट भी हो जाते हैं। एक बार जब मैं एयरपोर्ट पर जा रहा था, तब एक फैन आकर बोला, वो डांस वाला स्लो मोशन करके दिखा दीजिए। मैंने उससे पूछा, आप क्या करते हो, तो वो बोला, मैं सर्जन हूं। मैंने उससे कहा, तो आप एक सर्जरी करके दिखा दीजिए।'

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।